वार्षिक प्रतिवेदन

2020-21

सत्यमेव जयते

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

कृषि अनुसंधान भवन-I, पूसा, नई दिल्ली 110012

प्रतिभा की खोज
In search of talent
कृ.वै.च.मं.
कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
AGRICULTURAL SCIENTISTS RECRUITMENT BOARD

ISSN 2454-6666

वार्षिक प्रतिवेदन

2020-21

अप्रैल 1, 2020 से मार्च 31, 2021

सत्यमेव जयते

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
कृषि अनुसंधान भवन 1, पूसा, नई दिल्ली 110012

प्रतिभा की खोज
In search of talent
कृ.वै.च.मं.
कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
AGRICULTURAL SCIENTISTS RECRUITMENT BOARD

मुद्रण : 2021

मुख्य संरक्षक : प्रो. (डॉ.) ए. के. मिश्रा
अध्यक्ष

संरक्षक : प्रो. (डॉ.) ए. के. श्रीवास्तव
सदस्य

डॉ. पी. के. चक्रबर्ती
सदस्य

डॉ. के. के. सिंह
सदस्य

श्री विवेक अग्रवाल
सचिव

संपादकगण : डॉ. ए. पी. रूहिल
प्रधान वैज्ञानिक (सूचना प्रौद्योगिकी)

श्री पी. के. बागे
निदेशक

डॉ. सुरेश पाल
मुख्य तकनीकी अधिकारी

सहायता : श्री खूबराम

अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, कृषि अनुसंधान भवन 1, पूसा, नई दिल्ली 110012, दूरभाष संख्याः 011–25840251, 25848172, फैक्सः 011–25846311 द्वारा प्रकाशित व मैसर्स रॉयल ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए–89/1, नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 1, नई दिल्ली 110028 के द्वारा लेजरटाइपसेट एवं मुद्रण।

प्रस्तावना

मुझे कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की यह वार्षिक रिपोर्ट 1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 की अवधि के लिए, प्रस्तुत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है जिससे मुझे हार्दिक प्रसन्नता है। यह रिपोर्ट वर्ष के दौरान अपनी उपलब्धियां को दर्शाती है। कोविड–19 महामारी से पूरा विश्व पीड़ित था और देश को 24 मार्च से 3 मई, 2020 तक राष्ट्रीय लॉकडाउन का सामना करना पड़ा। इस महामारी का सिलसिला और इसका डर वर्ष के दौरान भी जारी रहा, आवेदनों की स्क्रीनिंग और साक्षात्कारों के लिए विषेशज्ञ मंडल में आने के लिए इच्छुक नहीं थे। कोविड 19 प्रोटोकॉल के अनुपालन ने भी कार्यालय में कर्मचारियों की उपलब्धता को प्रभावित किया है।

इन बाधाओं तथा अनुसंधान एवं प्रबंधन पदों (आरएमपी) की भर्ती की तात्कालिकता और वरिष्ठ वैज्ञानिकों के प्रधान वैज्ञानिकों पदों पर कैरियर पदोन्नति ने मंडल को वर्चुअल मोड में बदल दिया और एन.आई.सी. की मदद से तीन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएं स्थापित की गईं। इसके अलावा, पास के आई.सी.ए.आर. संस्थान / अपने संस्थान में विशेषज्ञों और उम्मीदवारों को सुरक्षित और निर्बाध वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा प्रदान करने के लिए परिषद के 51 संस्थानों को मंडल के रिमोट सेंटर के रूप में नामित किया गया था। इस प्रयास ने मंडल को कोविड 19 महामारी के दौरान भी भर्ती प्रक्रिया जारी रखने में सक्षम बनाया।

सहायक महानिदेशकों, निदेशकों, परियोजना निदेशकों और राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशकों के 49 पदों पर सीधी भर्ती के लिए 1479 आवेदकों को सम्मिलित करते हुए पदों को भरने की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई थी। इस अवधि के दौरान, मंडल ने 316 उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया और विभिन्न वैज्ञानिक पदों पर नियुक्तियों के लिए 44 उम्मीदवारों की सिफारिश की। आगे की भर्ती को स्थगित कर दिया गया और भा.कृ.अनु.प. के वरिष्ठ वैज्ञानिक पदों (आरएमपी और गैर आरएमपी दोनों) की भर्ती के लिए स्कोर कार्ड में सुधार किया गया और मंडल में स्क्रीनिंग प्रक्रिया को कम्प्यूटरीकृत करने हेतु इसे पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ बनाया गया।

एआरएस वैज्ञानिकों के लिए कैरियर उन्नति योजना (सीएएस) के समयबद्ध कार्यान्वयन के एक भाग के रूप में, वर्ष के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिकों से प्रधान वैज्ञानिकों के ग्रेड में पदोन्नति के लिए तैंतीस विषय क्षेत्रों के एक सौ चौंतीस प्रस्तावों पर कार्रवाई की गई और उन्हें पूरा किया गया। लगभग 89 प्रतिशत (3.73 प्रतिशत आस्थगित पदोन्नति सहित) उम्मीदवारों को अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति के लिए अनुशंसित किया गया था।

इस अवधि के दौरान, भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)–2021, कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस)–2021 (प्रारंभिक) की 222 रिक्तियों तथा वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी 6) के 65 रिक्तियों के लिए संयुक्त परीक्षा की अधिसूचना 30 मार्च, 2021 को जारी की गई है।

माननीय श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री; माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री पुरुषोत्तम रूपाला जी एवं श्री कैलाश चौधरी जी को उनके दूरदृष्टि, मार्गदर्शन, निरंतर सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए तहे दिल से धन्यवाद और आभार। डॉ. टी. महापात्र, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद; श्री संजय सिंह, अपर सचिव (डेयर) एवं सचिव, भा.कृ.अनु.प. और श्री बिंबाधर प्रधान, विशेष सचिव एवं वित्तीय सलाहकार (डेयर/ आईसीएआर) के प्रति मंडल के सभी प्रयासों में उनके अपार समर्थन के लिए आभार। कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं की स्थापना में डॉ. नीता वर्मा, महानिदेशक और डॉ. रंजना नागपाल,

उप महानिदेशक, राष्ट्रीय सूचना केंद्र द्वारा समय पर प्रदान की गई सहायता को विधिवत स्वीकार किया जाता है।

मैं मंडल में अपने सहयोगियों प्रो. (डॉ.) ए.के. श्रीवास्तव, डॉ. पी. के. चक्रबर्ती, डॉ. के.के. सिंह, श्री. विवेक अग्रवाल, श्री. पी.के. बागे और अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उक्त गतिविधियों के सफल समापन में योगदान और समर्थन के लिए कृतज्ञतापूर्वक धन्यवाद देता हूं ।

अंततः, इस रिपोर्ट को समय पर प्रकाशित करने में डॉ. एस.के. सिंह, निदेशक, एवं श्री पुनीत भसीन, प्रभारी, उत्पादन यूनिट, कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की सहायता को विशेष रूप से स्वीकार करता हूं।

(ए. के. मिश्रा)
अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं.

विषय सूची

	प्रस्तावना	*iii*
	कार्यकारी सारांश	*vii*
1.	भूमिका	1
2.	राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)	5
3.	परीक्षाओं के माध्यम से नियुक्तियां	6
4.	सीधी भर्ती	8
5.	अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग/बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के उम्मीदवारों की नियुक्ति	10
6.	वैज्ञानिकों का मूल्यांकनः कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस)	11
7.	सुधार	14
8.	सूचना का अधिकार अधिनियम–2005	15
9.	राजभाषा हिन्दी की प्रगति	17
10.	महिला सशक्तिकरण	21
11.	मान्यताएं/पुरस्कार/सम्मान	22

परिशिष्ट

I.	वर्ष 2020–21 के दौरान मंडल में स्वीकृत पदों की स्थिति	26
II.	दिनांक 31.03.2021 के अनुसार मंडल में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची	27
III.	वर्ष 2020–21 के दौरान कृ.वै.च.मं. की प्राप्तियां एवं व्यय	28
IV.	पिछले पांच वर्षों में बोर्ड के कार्यभार का तुलनात्मक विवरण	29
V.	सीधी भर्ती 2020–21	30
VI.	वर्ष 2020–21 के दौरान भा.कृ.अनु.प. के संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत मूल्यांकन के मामले	36
VII.	संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार तकनीकी पदों के लिए विभागीय पदोन्नती समितियों (2020–21) का गठन किया गया	37
VIII.	संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिकों के कैरियर एडवांसमेंट के लिए विभागीय पदोन्नती समितियों (2020–21) का गठन किया गया	39
IX.	कार्मिक (नियुक्तियां, पदोन्नतियां, स्थानांतरण, सेवानिवृतियां आदि)	40

कार्यकारी सारांश

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का सदैव यह प्रयास रहा है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की विशिष्ट आवश्यकता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं की पहचान कर उनकी सिफारिश की जाए। इस वार्षिक रिपोर्ट की अवधि में कोविड 19 महामारी के दौरान भी पार्श्व/सीधी भर्ती पदों की नियुक्ति प्रक्रिया को जारी रखना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

इस अवधि के दौरान, बोर्ड ने 44 पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर ली है जिसमें सहायक महानिदेशक, निदेशक, परियोजना निदेशक और राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशक पद शामिल हैं। इन पदों के लिए कुल 1356 आवेदक थे, जिनमें से 429 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया गया था। आगे की भर्ती को स्थगित कर दिया गया और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वरिष्ठ वैज्ञानिक पदों (आरएमपी और गैर आरएमपी दोनों) की भर्ती संबंधी स्कोर कार्ड में सुधार किया जा रहा है और कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में स्क्रीनिंग प्रक्रिया को कम्प्यूटरीकृत करने के लिए इसे पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ बनाया जा रहा है।

मंडल ने 33 विषय क्षेत्रों में कैरियर उन्नति योजना (सीएएस) के तहत प्रधान वैज्ञानिक पदों पर वरिष्ठ वैज्ञानिकों की पदोन्नति से संबंधित सभी एक सौ चौंतीस आवेदनों का निपटारा किया। कुल पदोन्नति 89 प्रतिशत (3.73 प्रतिशत आस्थगित पदोन्नति सहित) था।

आसान पहुँच और पारदर्शिता के लिए, आई.सी.ए.आर.–नेट परीक्षा के नेट प्रमाण पत्र 2019–20 से मैटी (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के डिजिलॉकर पर उपलब्ध होंगे।

इस अवधि के दौरान, आई.सी.ए.आर.–राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) – 2021, ए.आर.एस. – 2021 (प्रारंभिक) और वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी 6) पदों के लिए संयुक्त परीक्षा हेतु एक अधिसूचना जारी की गई है जो ऑनलाइन कम्प्यूटर

प्रो. (डॉ.) ए. के. मिश्रा, अध्यक्ष द्वारा श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज मंत्री, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्रीगण श्री पुरूषोत्तम रूपाला और श्री कैलाश चौधरी जी को कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की वार्षिक प्रतिवेदन 2019–20 की प्रस्तुति

(सीबीटी) के माध्यम से आयोजित होगी। 48 विषयों में वैज्ञानिकों के 222 रिक्त पदों और वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी 6) के 65 रिक्त पदों को भरने के लिए देश भर के 32 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की जाएगी।

कार्य निष्पादन में पारदर्शिता वास्तव में किसी भी संगठन के विशिष्ट लक्षणों में से एक है। यह विशेष रूप से कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल जैसे राष्ट्रीय स्तर के स्वतंत्र भर्ती निकाय पर लागू होता है। चाहे वह उम्मीदवारों के कार्य प्रोफ़ाइल की स्क्रीनिंग हो या साक्षात्कार या परीक्षा प्रक्रिया या यहां तक कि सलाहकारों/परीक्षकों/पेपर सेटर्स/मूल्यांकनकर्ताओं आदि के पैनल बनाने में हो, मंडल के सभी स्तरों पर पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इसकी सतत आंतरिक और निष्पक्षता जांच होती है।

विभिन्न अदालतों के समक्ष कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल से जुड़े मामले/शिकायतें या कानूनी मामलों के संदर्भ में, ऐसा कोई अवसर नहीं था जब मंडल के निर्णयों के संबंध में कोई सख्त या प्रतिकूल टिप्पणी, निष्कर्ष या अवलोकन आदि किए गए हों।

इसी प्रकार, इस अवधि के दौरान भारत सरकार की राजभाषा नीति के संदर्भ में मंडल ने एक अनुकरणीय कार्यान्वयन रिकॉर्ड स्थापित किया है। उम्मीदवारों को राजभाषा के प्रयोग के लिए साक्षात्कार में विकल्प सहित हर संभव सहायता और सुविधाएं प्रदान की गई। विशेषज्ञों/सलाहकारों/पेपर सेटर्स/मूल्यांकनकर्ताओं सहित अधिकारियों और कर्मचारियों एवं आगंतुकों के लाभ के लिए मंडल के पुस्तकालय में हिंदी के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित अधिकतम पुस्तकें रखने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। इस अवधि के दौरान ऑनलाइन इनपुट और नियमित डिजिटलीकरण के माध्यम से प्रत्येक विषय क्षेत्र में प्रश्न बैंक और सलाहकार/विशेषज्ञ डेटाबेस को नियमित रूप से अद्यतन, उन्नत और विस्तारित करने के लिए विशेष अभियान चलाए गए हैं।

1

भूमिका

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का एक स्वतंत्र भर्ती निकाय था और 1973 में भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया था। अगस्त 2018 से, कृ.वै.च.मं. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) के एक संलग्न कार्यालय के रूप में कार्य कर रहा है।

अपने अधिदेश के अनुसार मंडल, भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय और देश भर में फैले इसके अनुसंधान संस्थानों के लिए उत्कृष्ट वैज्ञानिकों और अन्य प्रबंधन कर्मियों की भर्ती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा, मंडल ए.आर.एस. वैज्ञानिकों के लिए कैरियर उन्नति योजनाओं सहित मानव संसाधन को जोड़ने और इनके विकास से संबंधित नीतियों को विकसित और लागू करने में परिषद को सहायता और सलाह देता है। अपनी स्थापना के बाद से, 47 साल से भी अधिक समय से, मंडल राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रणाली (एन.ए.आर.ई.एस.) की मौजूदा और उभरती जरूरतों को पूरा करने के साथ साथ प्रतिभा–खोज रणनीतियों को सुधारने और परिष्कृत करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

अधिदेश

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का अधिदेश भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और देश भर में फैले इसके संस्थानों में विभिन्न पदों के लिए उत्कृष्ट मानव संसाधन उपलब्ध कराना है। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार, प्रारम्भ में मंडल को निम्नलिखित जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं:

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की कृषि अनुसंधान सेवा (ए.आर.एस.) में पदों पर भर्ती और ऐसे अन्य पदों एवं सेवाओं के लिए जो अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. द्वारा समय–समय पर निर्दिष्ट किया जाता है।
- अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प द्वारा अपेक्षित पदोन्नति सहित कार्मिक मामलों में परिषद को ऐसी अन्य सहायता प्रदान करना।
- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के माध्यम से भर्ती किए गए या मंडल के परामर्श से परिषद द्वारा नियुक्त कर्मियों से संबंधित अनुशासनात्मक मामलों पर परिषद को सलाह देना।

इसके बाद, अखिल भारतीय सेवा के रूप में कृषि अनुसंधान सेवा (ए.आर.एस.) के सृजन के बाद, मंडल को निम्नलिखित अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी गईं:

- अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से कृषि अनुसंधान सेवा (ए.आर.एस.) के प्रवेश स्तर के वैज्ञानिकों के ग्रेड में भर्ती।
- ए.आर.एस. के प्रारंभिक गठन के बाद भा.कृ.अनु.प. के मौजूदा वैज्ञानिकों को ए.आर.एस. में शामिल करना।
- ए.आर.एस. के वैज्ञानिकों को योग्यता पदोन्नति और अग्रिम वेतन वृद्धि के लिए मूल्यांकन।
- इसके अलावा, मंडल को तकनीकी सेवा, प्रशासनिक और लेखा प्रबंधन पदों जैसे कि प्रशासनिक अधिकारी / वित्त एवं लेखा अधिकारी, सहायक निदेशक (राजभाषा) की भर्ती का कार्य भी सौंपा गया है।

मंडल 60 अनुमोदित विषय क्षेत्रों में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा भी आयोजित करता है, जो राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एस.ए.यू.) में सहायक प्रोफेसर / व्याख्याता के रूप में प्रारंभिक नियुक्ति के लिए एक पूर्व–आर्हता है।

संगठन

मंडल में एक अध्यक्ष और तीन सदस्य होते हैं जिनकी सहायता के लिए संयुक्त सचिव स्तर का सचिव होता है। मंडल को अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के लिए परीक्षा नियंत्रक का एक पद, पांच उप सचिव/उप निदेशक (वित्त) सहित अन्य वित्तीय, प्रशासनिक और तकनीकी पदाधिकारियों के पद स्वीकृत किए गए हैं। मंडल के संशोधित संगठनात्मक ढांचे को निम्नानुसार दर्शाया गया है :

पुनर्गठित कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का संगठनात्मक ढांचा

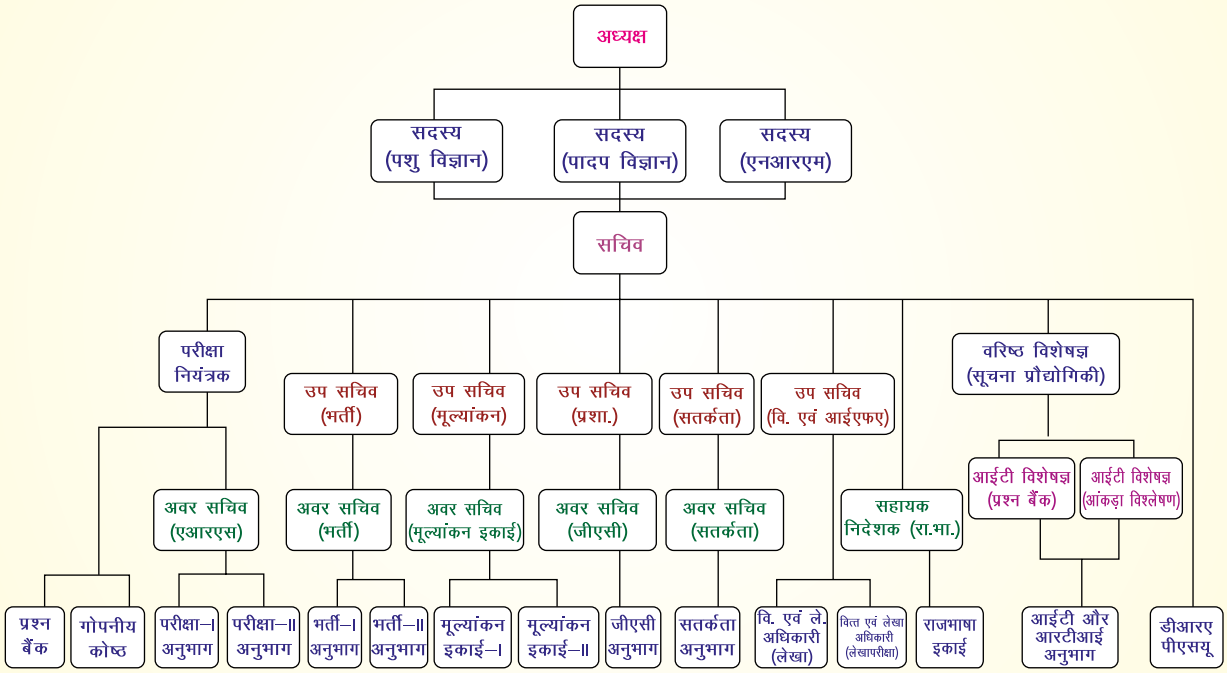

31 मार्च, 2021 को मंडल के नियमित अधिकारियों और कर्मचारियों की कुल स्वीकृत संख्या 84 थी (परिशिष्ट I)। स्वीकृत पदों में से 38 पदों पर नियमित कर्मचारी कार्यरत थे। 1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 की अवधि के दौरान मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों की सूची परिशिष्ट II में दी गई है।

व्यय

मंडल ने 1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 की अवधि के दौरान ₹1141.89 लाख का व्यय किया है। विवरण परिशिष्ट III में दिया गया है।

गतिविधियां

मंडल ने अपने अधिदेशित कार्यों के निर्वहन में विभिन्न गतिविधियों को अंजाम दिया। इन गतिविधियों का विस्तृत विवरण और पिछले पांच वर्षों के दौरान प्राप्त उपलब्धियों का विवरण परिशिष्ट IV में प्रस्तुत किया गया है।

वर्ष 2020-21 के दौरान सम्पन्न गतिविधियों का सारांश

	गतिविधियां	संख्या
I.	**सक्षात्कारों के माध्यम से नियुक्तियां (सीधी भर्ती)**	
	◆ पद जिनकी नियुक्ति प्रक्रिया पिछले वर्षों से लम्बित थी	55
	◆ पद जिनके लिए वर्ष के दौरान मांग पत्र प्राप्त हुआ है	217
	◆ भा.कृ.अनु.प. द्वारा वापस लिए गए पद	3
	◆ विज्ञापित पदों की संख्या	0
	◆ पदों की संख्या जिनकी नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।	44
	◆ विभिन्न पदों के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या	1356
	◆ साक्षात्कार हेतु आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	429

	गतिविधियां	संख्या
	◆ उम्मीदवारों की संख्या जिनका साक्षात्कार लिया गया है।	316
	◆ नियुक्ति हेतु अनुशंसित उम्मीदवारों की संख्या	44
	◆ ऐसे मामले जिनमें नियुक्ति हेतु उपयुक्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हुआ हो	0
	◆ ऐसे मामले जहां साक्षात्कार हेतु कोई उम्मीदवार उपस्थित न हुआ हो	0
	◆ वर्ष के दौरान विज्ञापित विभिन्न पदों के लिए स्क्रीनिंग किए गए आवेदनों की संख्या	1479
	◆ पदों की संख्या जिनकी नियुक्ति प्रक्रिया से संबंधित कार्य जारी है	8
II.	**परीक्षाओं के माध्यम से नियुक्तियां**	
(i)	प्रवेश स्तर के वैज्ञानिकों के लिए एआरएस परीक्षा – 2021	
(ii)	तकनीकी कार्मिकों के लिए वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी 6) परीक्षा – 2021	
(iii)	नेट प्रमाणीकरण हेतु नेट परीक्षा 2021	
III.	**मूल्यांकन एवं मूल्याकनों की समीक्षा**	
	मूल्यांकन	
	संशोधित कैरियर उन्नति योजना के तहत प्रधान वैज्ञानिक ग्रेड के लिए वरिष्ठ वैज्ञानिकों का मूल्यांकन	134
	इनडक्शन	1
IV.	**गठित समितियां**	
	एआरएस वैज्ञानिकों की कैरियर उन्नति के लिए विभागीय पदोन्नति समितियों का गठन	37
	तकनीकी संवर्ग के पदों के लिए विभागीय पदोन्नति समितियों का गठन	93

मुख्य घटनाएं

कृ.वै.च.मं. की बोर्ड बैठकें

इस अवधि के दौरान महत्वपूर्ण मामलों तथा भर्ती एवं मूल्यांकन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने हेतु बोर्ड की बैठकें आयोजित की गईं।

बोर्ड की बैठक का एक दृश्य

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के अनुरूप कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने इस वर्ष 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2020 तक बड़े उत्साह और सक्रिय भागीदारी के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का मुख्य फोकस ''सतर्क भारत–समृद्ध भारत" (सतर्क

भारत, समृद्ध भारत) था। सप्ताह के प्रारम्भ में मंडल के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रो. (डॉ.) ए. के. मिश्रा, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ दिलायी गयी थी

राष्ट्रीय संविधान दिवस

कर्मचारियों के बीच भारतीय संविधान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 26 नवंबर, 2020 को राष्ट्रीय संविधान दिवस मनाया गया। यह संविधान को अपनाने की 71वीं वर्षगांठ थी। मंडल के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान दिवस पर भारत के संविधान के अनुसार राष्ट्र की सेवा करने का संकल्प लिया।

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का नया कार्यालय भवन

पूसा परिसर के अहाते में नए कार्यालय भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। आशा है कि मंडल वर्ष 2021 के अंत तक अपने स्वयं के कार्यालय भवन में स्थानांतरित हो सकता है।

मंडल के नए कार्यालय भवन के निर्माण कार्य का प्रारंभ

2

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)

राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एस.ए.यू.) और कृषि संकाय वाले अन्य सामान्य विश्वविद्यालयों में व्याख्याताओं/सहायक प्रोफेसरों की भर्ती के लिए पात्रता निर्धारित करने के लिए नेट परीक्षा एक अनिवार्य अर्हता है। भा.कृ.अनु.प–राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)–2021, ए.आर.एस.–2021 (प्रारंभिक) और वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी 6) के लिए ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित (सीबीटी) मोड के माध्यम से 32 केंद्रों पर संयुक्त परीक्षा आयोजित करने हेतु 30 मार्च, 2021 को अधिसूचना जारी की गई थी। देश भर में नेट–2021 परीक्षा 60 विषय क्षेत्रों में आयोजित की जाएगी। केंद्रों का विवरण इस प्रकार है :

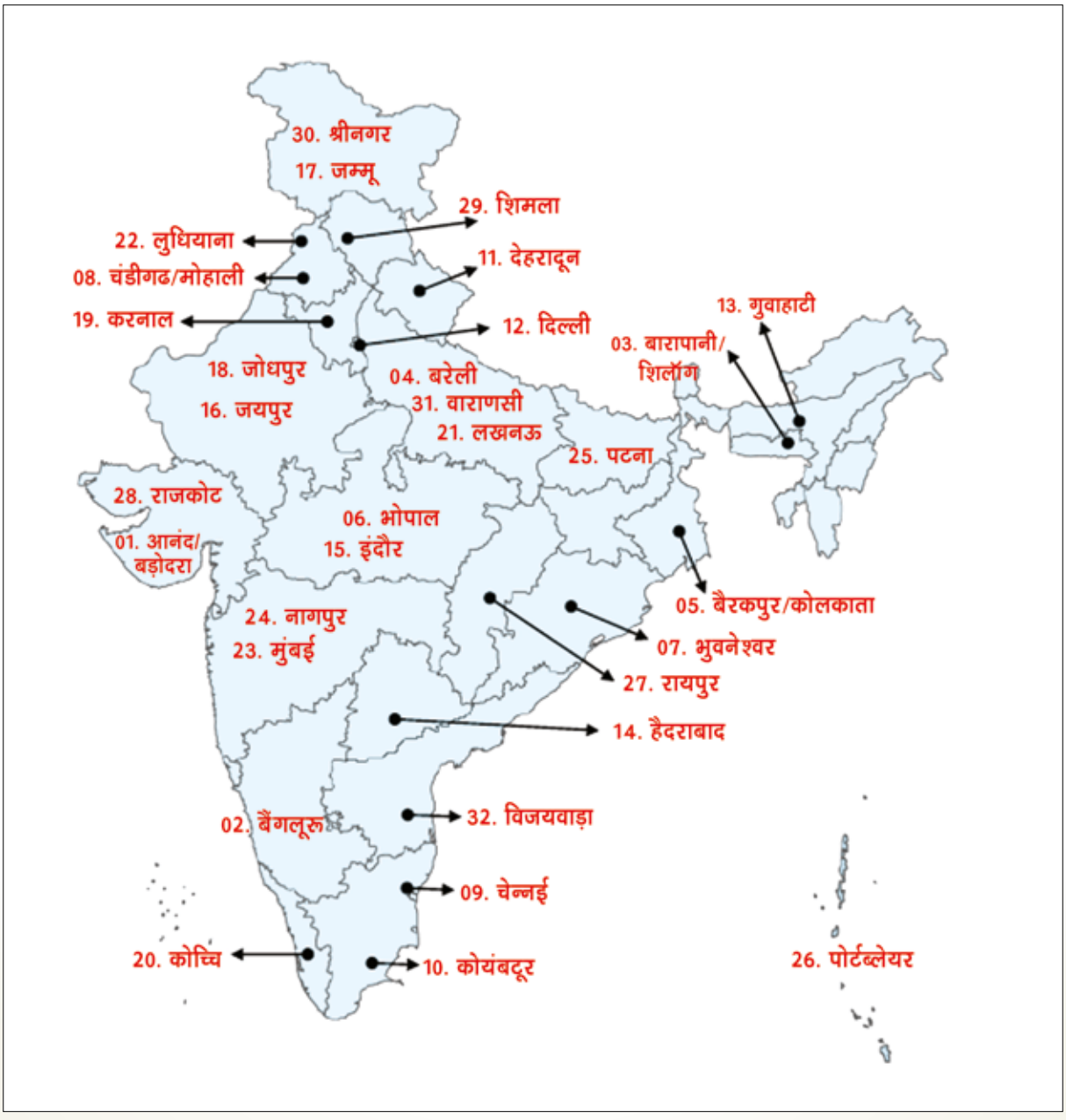

3

परीक्षा के माध्यम से नियुक्तियां

ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित (सी.बी.टी.) मोड के माध्यम से कृषि अनुसंधान सेवा (ए.आर.एस.)–2021 (प्रारंभिक), भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)–2021 और वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी 6) पदों के लिए पूरे देश के 32 केन्द्रों पर संयुक्त परीक्षा आयोजित करने हेतु 30 मार्च, 2021 को एक अधिसूचना जारी की गई।

कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा - 2021

देश भर के 32 केंद्रों पर 48 विषय क्षेत्रों में वैज्ञानिकों के 222 रिक्त पदों को भरने के लिए ए.आर.एस. (प्रारंभिक) परीक्षा आयोजित की जानी है। मुख्य परीक्षा देशभर के 12 केंद्रों पर होगी।

प्रारंभिक परीक्षा में निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को प्रत्येक पद के लिए 1:15 (श्रेणी वार) के अनुपात में ए.आर.एस. (मुख्य) परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी। जो उम्मीदवार मुख्य परीक्षा में ऐसे न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करते हैं जो मंडल द्वारा अपने विवेक से तय किए जाते हैं, उन्हें प्रत्येक पद के लिए 1:5 (श्रेणीवार) के अनुपात में मौखिक परीक्षा (साक्षात्कार) के लिए आमंत्रित किया जाएगा। रिक्तियों का विषयवार विवरण इस प्रकार है :

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

देश भर के 32 केंद्रों पर 65 पदों को भरने के लिए वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी 6) की परीक्षा आयोजित की जानी है। निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को प्रत्येक पद के लिए 1:5 के अनुपात में साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जाएगा। प्रमुख विषय क्षेत्रवार रिक्तियों का विवरण इस प्रकार है :

प्रमुख विषय क्षेत्रवार रिक्तियां

क्र. सं.	प्रमुख विषय क्षेत्र	रिक्तियों की संख्या	संस्थान
1.	फसल विज्ञान	6	30
2.	बागवानी विज्ञान	8	
3.	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	21	
4.	कृषि अभियांत्रिकी	2	
5.	समाजिक विज्ञान	6	
6.	पशु विज्ञान	21	
7.	मात्स्यिकी विज्ञान	1	
	कुल	**65**	

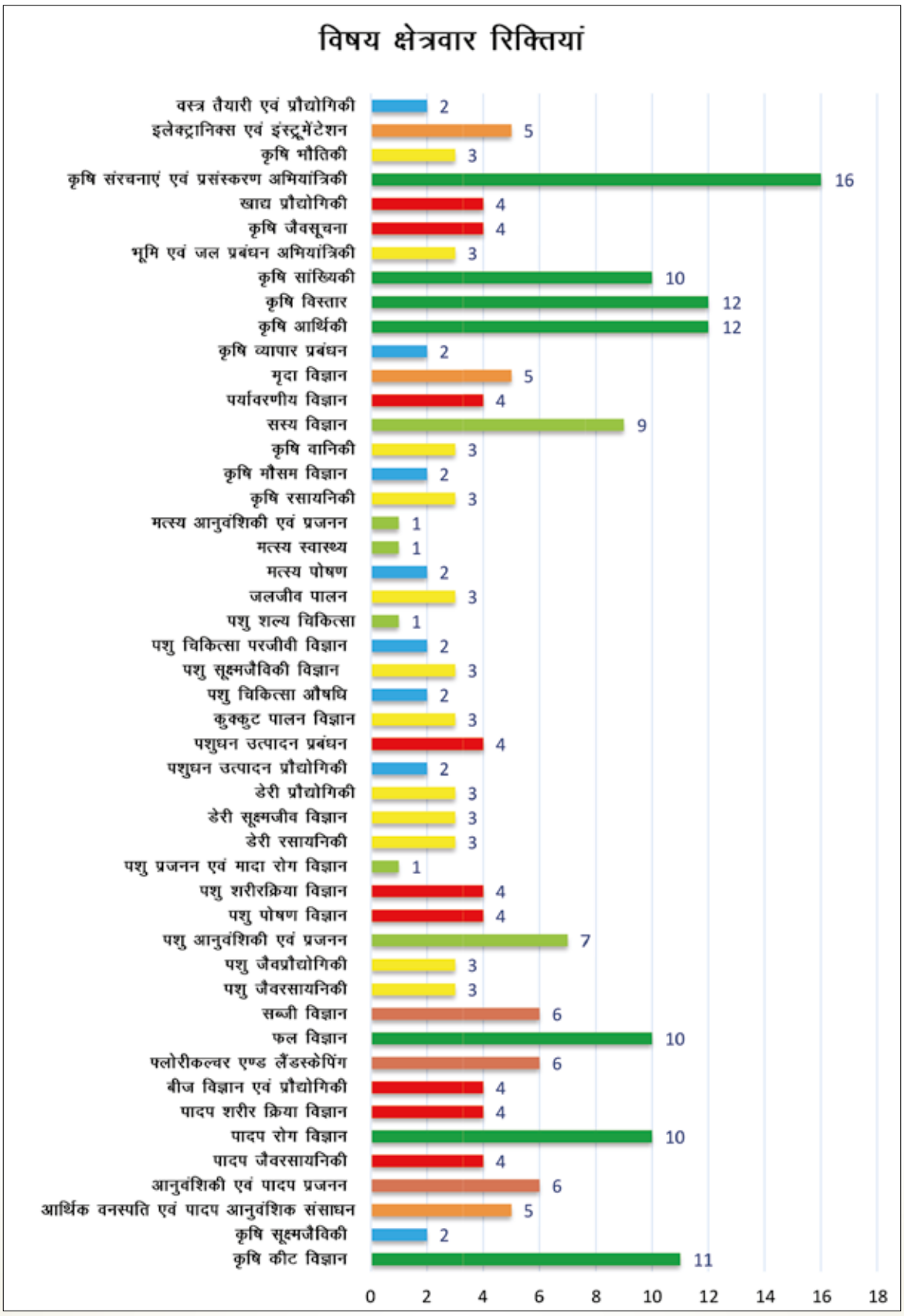

वैज्ञानिकों के 222 रिक्तियों का विवरण

सीधी भर्ती

4

सीधी भर्ती /पार्श्व प्रवेश

मंडल को 217 पदों को भरने के लिए भा.कृ.अनु.प. से अनुरोध प्राप्त हुआ, जिसमें अनुसंधान एवं प्रबंधन पद (69), प्रभागाध्यक्ष (139) और परियोजना समन्वयक (5) पद शामिल थे। विज्ञापन संख्या 1/2019 द्वारा विज्ञापित 72 पदों में से परिषद द्वारा तीन पदों को वापस ले लिया गया है।

साक्षात्कार का एक दृश्य

मंडल ने 44 पदों (परिशिष्ट V) के लिए भर्ती प्रक्रिया पूरी की, जिसमें पांच सहायक महानिदेशक, 32 निदेशक, 2 परियोजना निदेशक और शेष राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशक थे। आगे की भर्ती को स्थगित कर दिया गया और भारतीय कृषि अनुसंधाद परिषद के वरिष्ठ वैज्ञानिक पदों (आरएमपी और गैर आरएमपी दोनों) की भर्ती के लिए स्कोर कार्ड में सुधार किया गया और कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में स्क्रीनिंग प्रक्रिया को कम्प्यूटरीकृत करने के लिए इसे पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ बनाया गया।

इस अवधि के दौरान पूर्ण की गई भर्ती प्रक्रिया का सारांश

वर्ग	पदों की संख्या	आवेदकों की संख्या	साक्षात्कार हेतु आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	साक्षात्कार हेतु उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	नियुक्ति हेतु सिफारिश किए गए उम्मीदवारों की संख्या	कोई उपयुक्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं
सहायक महानिदेशक	5	282	50	35	5	0
भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों के निदेशक	32	933	310	233	32	0
परियोजना निदेशक	2	28	20	13	2	0
राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशक	5	113	49	35	5	0
कुल	**44**	**1356**	**429**	**316**	**44**	**0**
प्रति पद उपलब्धता		**30.82**	**9.75**	**7.18**	**100%**	

मंडल ने 1400 से अधिक आवेदनों की जांच की थी और साक्षात्कार के लिए 429 उम्मीदवारों को आमंत्रित किया था। हालांकि, 316 उम्मीदवारों ने वास्तव में साक्षात्कार में भाग लिया। मंडल प्रत्येक पद के लिए प्रथम शीर्ष दस रैंकिंग वाले उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेता है, जिन्होंने स्क्रीनिंग में कम से कम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान प्रत्येक पद के लिए औसतन 7.18 उम्मीदवार साक्षात्कार में उपस्थित हुए।

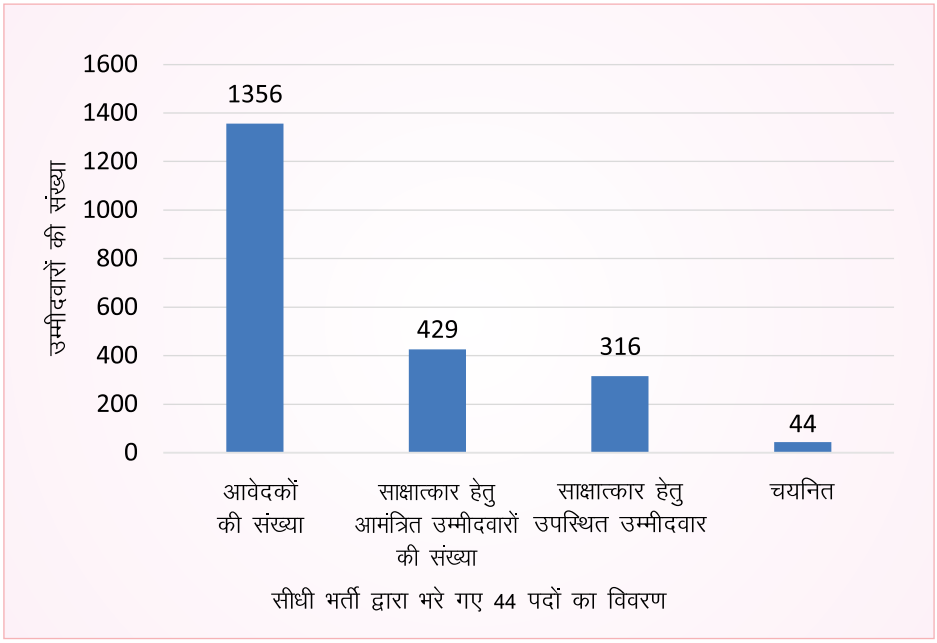

सीधी भर्ती द्वारा भरे गए 44 पदों का विवरण

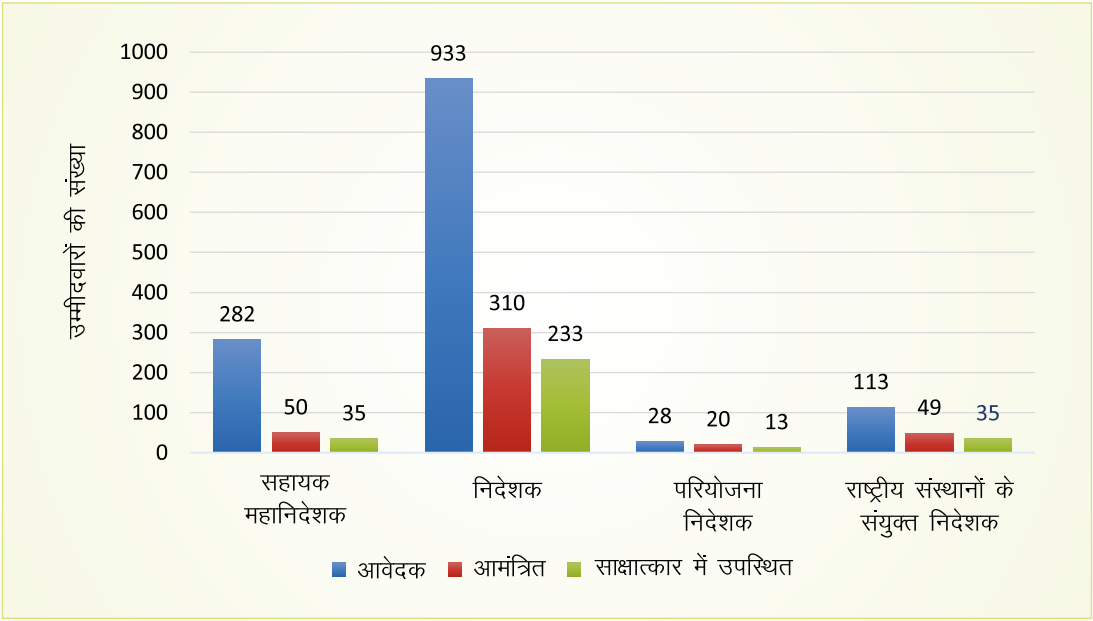

सहायक महानिदेशक, निदेशक, परियोजना निदेशक एवं
राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशकों की सीधी भर्ती का विवरण

अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग/ बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के उम्मीदवारों की नियुक्ति

5

परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति

भा.कृ.अनु.प./भारत सरकार के नियमों के अनुसार भर्ती के लिए सिफारिश करते समय अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के उम्मीदवारों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाता है। इन विशेष श्रेणियों के अंतर्गत विज्ञापित रिक्तियों का विवरण नीचे दिया गया है:

(I) ए.आर.एस. परीक्षा–2021 में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़े वर्ग/ बेंचमार्क विकलांग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए पदों का वितरण

वर्ग	विज्ञापित रिक्तियां
अनुसूचित जाति	28
अनुसूचित जनजाति	22
बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति	12*
अन्य पिछड़े वर्ग	51
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	21

*कुल 222 रिक्तियों में से 12 रिक्तियां बेंचमार्क विकलांगता वाले उम्मीदवारों के लिए सभी विषयों में आरक्षित हैं और वे किसी भी विषय के लिए आवेदन कर सकते हैं।

(II) वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी परीक्षा – 2021 में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग/ बेंचमार्क विकलांग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए पदों का वितरण

वर्ग	विज्ञापित रिक्तियां
अनुसूचित जाति	6
अनुसूचित जनजाति	1
बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति	1*
अन्य पिछड़े वर्ग	15
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	5

*कुल 65 रिक्तियों में से 01 रिक्ति, बेंचमार्क विकलांगता वाले उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और वे सभी कार्यात्मक समूह के सभी पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

6

वैज्ञानिकों का मूल्यांकनः कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस)

संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत वरिष्ठ वैज्ञानिकों का मूल्यांकन/पदोन्नति

भा.कृ.अनु.प. के विभिन्न संस्थानों से प्राप्त तैंतीस विषयक्षेत्रों के अंतर्गत एक सौ चौंतीस प्रस्तावों का कैरियर उन्नति योजना (सी.ए.एस.) के तहत वरिष्ठ वैज्ञानिकों से प्रधान वैज्ञानिकों के ग्रेड में प्लेसमेंट के लिए मूल्यांकन किया गया था। साक्षात्कार कार्यक्रम का आयोजन 28 जुलाई, 2020 से 3 सितंबर, 2020 (परिशिष्ट VI) तक किया गया था।

साक्षात्कार मंडल का दृश्य

मूल्यांकन के परिणाम से संकेत मिलता है कि 85.08 प्रतिशत उम्मीदवारों को नियत तारीख से पदोन्नति प्राप्त हुई है और 3.73 प्रतिशत उम्मीदवारों को अगले उच्च ग्रेड में आस्थगित पदोन्नति मिली है।

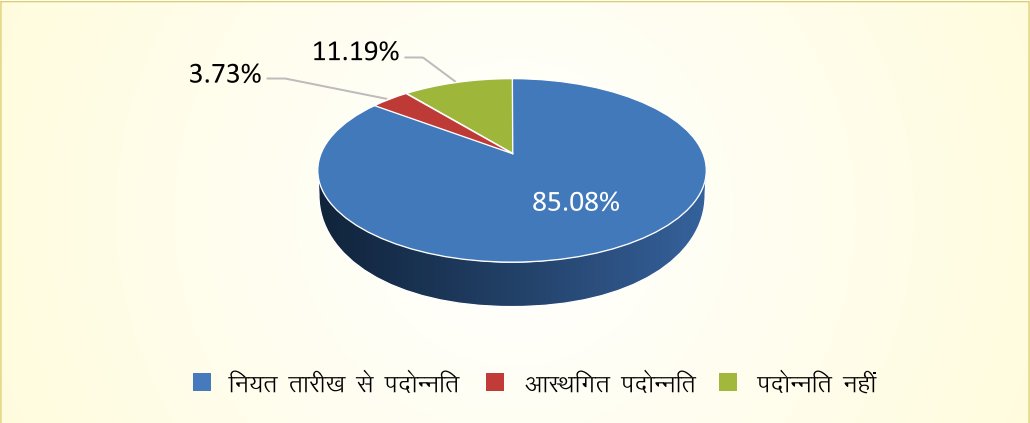

कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सी.ए.एस.) के तहत
वरिष्ठ वैज्ञानिकों का प्रधान वैज्ञानिक ग्रेड में मूल्यांकन

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि तैंतीस विषयों में से, सात विषयों जैसे मृदा विज्ञान, कृषि विस्तार, शस्य विज्ञान, जलीय कृषि, मछली और मत्स्य विज्ञान, बागवानी और जैव प्रौद्योगिकी (पीएस) को छोड़कर, अन्य विषयों में वैज्ञानिकों को सौ प्रतिशत पदोन्नति मिली है। प्रमुख विषय क्षेत्रवार विवरण तालिका में दिए गए हैं:

मूल्यांकन का प्रमुख विषय क्षेत्रवार विवरण

क्र. सं.	प्रमुख विषय क्षेत्र	उम्मीदवारों की कुल संख्या	नियत तारीख से पदोन्नति प्राप्त उम्मीदवारों की संख्या	आस्थगित पदोन्नति	पदोन्नति नहीं
1.	फसल विज्ञान	42	38	3	1
2.	बागवानी विज्ञान	6	5	.	1
3.	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	30	26	.	4
4.	कृषि अभियांत्रिकी	9	8	1	.
5.	सामाजिक विज्ञान	14	11	1	2
6.	पशु विज्ञान	23	23	.	.
7.	मात्स्यिकी विज्ञान	10	3	.	7
	कुल	**134**	**114**	**5**	**15**

कृषि अनुसंधान सेवा में इंडक्शन

वर्ष के दौरान सस्य विज्ञान विषय में सहायक महानिदेशक (ए.ए.एफ. एण्ड सी.सी.) को शामिल करने के एक मामले पर विचार किया गया और भा.कृ.अनु.प. को सिफारिश भेज दी गई है।

ए.आर.एस. वैज्ञानिकों (आरजीपी ₹6000 से ₹9000) के लिए कैरियर एडवांसमेंट स्कीम तथा तकनीकी कार्मिकों का मूल्यांकन पदोन्नति

ए.आर.एस. वैज्ञानिकों के लिए करियर एडवांसमेंट स्कीम (सी.ए.एस.) और नियमों के अनुसार, भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों में

वैज्ञानिकों की पदोन्नति के मामलों पर विचार करने हेतु विभिन्न समितियों के अध्यक्षों को, कृ.वै.च.मं. के अध्यक्ष द्वारा नामित किया जाता है। तदनुसार, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. द्वारा संस्थानों में चयन समितियों का नेतृत्व करने के लिए विभिन्न नामांकन किए गए। इसके अलावा, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. द्वारा भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय और भारत के विभिन्न भागों में फैले इसके संस्थानों में कार्यरत तकनीकी संवर्ग कर्मचारियों के मामलों पर विचार करने के लिए मूल्यांकन समितियों के गठन के लिए नामांकन भी किए गए थे।

तकनीकी कार्मिकों का मूल्यांकन पदोन्नति

मंडल ने तकनीकी कर्मियों की विभिन्न श्रेणियों के लिए मूल्यांकन हेतु भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय सहित 57 संस्थानों के लिए विशेषज्ञों के नामांकन को अंतिम रूप दिया। विवरण परिशिष्ट VII में दिया गया है।

वैज्ञानिकों की मूल्यांकन पदोन्नति

मंडल ने आरजीपी ₹6,000 से ₹7,000; आरजीपी ₹7,000 से ₹8,000 और आरजीपी ₹8,000 से ₹9,000 तक वैज्ञानिकों के मूल्यांकन हेतु 30 संस्थानों में विभागीय पदोन्नति समितियों (डीपीसी) के गठन हेतु विशेषज्ञों के नामांकन को अंतिम रूप दिया और अधिसूचित किया, जिनका विवरण परिशिष्ट VIII में दिया गया है।

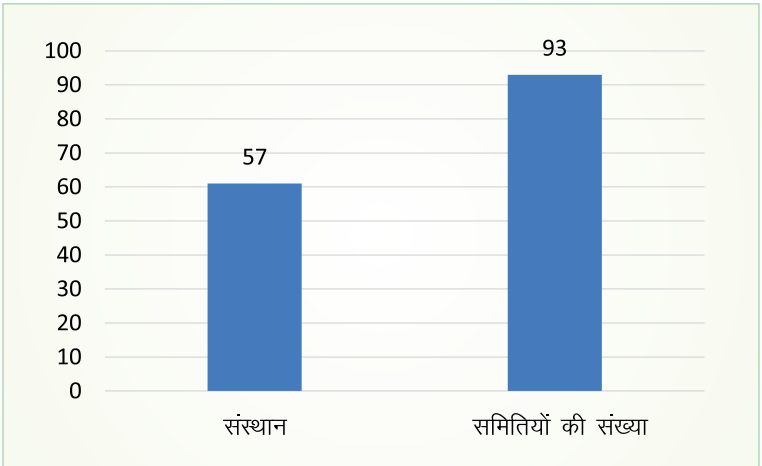

तकनीकी कार्मिकों के लिए गठित मूल्यांकन समितियों का विवरण

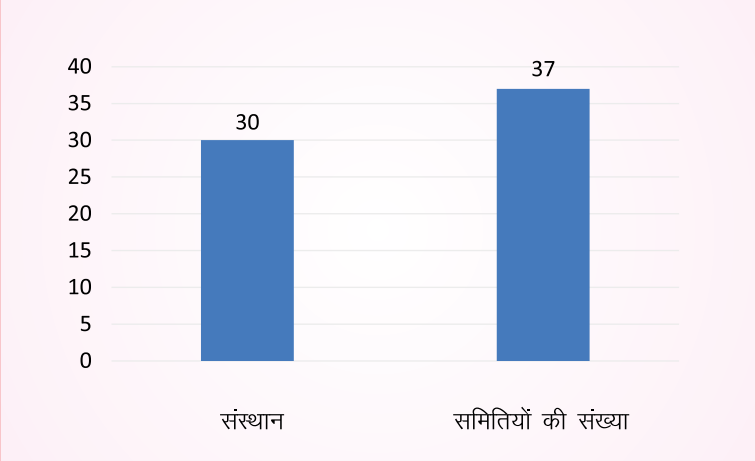

वैज्ञानिकों के लिए गठित मूल्यांकन समितियों का विवरण

सुधार

7

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) प्रमाण पत्रों का डिजिटलीकरण

वर्ष 2019–20 से, नेट परीक्षा 2018 से आगे के सभी नेट प्रमाणपत्रों को डिजिटाइज़ कर दिया गया है और केवल भारत सरकार के मैटी (एमईआईटीवाई) के डिजीलौकर ऐप के माध्यम से डाउनलोड किया जा सकता है।

ऑनलाइन परीक्षाएं

रिपोर्ट अवधि के दौरान, मंडल ने भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)–2021, ए.आर.एस.–2021 (प्रारंभिक) और वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी 6) पदों के लिए देश भर के 32 केंद्रों में एक ऑनलाइन संयुक्त परीक्षा आयोजित करने हेतु 30 मार्च, 2021 को एक अधिसूचना जारी की।

आवेदनों की स्क्रीनिंग एवं साक्षात्कारों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा का सृजन

राष्ट्रीय हित में कोविड–19 महामारी के दौरान भी अनुसंधान प्रबंधन पदों पर भर्ती की गति को बनाए रखने के लिए आवेदनों की स्क्रीनिंग और साक्षात्कार के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा का एक नेटवर्क बनाया गया था। विशेषज्ञों और उम्मीदवारों के साथ सुरक्षित और निर्बाध संचार प्रबंधन के लिए एन.आई.सी. की मदद से कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में तीन स्थानों और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 51 संस्थानों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा स्थापित की गई थी। इससे मंडल को आवेदनों की स्क्रीनिंग और साक्षात्कार आयोजित करने के दौरान कोविड 19 महामारी प्रोटोकॉल का पालन करने में काफी मदद मिली है।

8 सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 तथा केन्द्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) का कार्यान्वयन

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005

प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए, मंडल ने सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित समय अवधि के भीतर सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत विभिन्न अनुरोधों और अपीलों का कुशलतापूर्वक और संतोषजनक ढंग से जवाब दिया है। तदनुसार, मंडल ने एक जिम्मेदार "लोक प्राधिकरण" के रूप में इस संबंध में उचित कार्रवाई की है। मंडल ने सूचना चाहने वालों से प्राप्त अनुरोधों और अपीलों को व्यवस्थित रूप से संभालने के लिए दो केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी और एक अपीलीय प्राधिकारी नियुक्त किया है।

भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल अपनी परीक्षाओं, भर्ती, मूल्यांकन और चयन प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने और सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 को अक्षरशः लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 4 के अनुसार, भर्ती और मूल्यांकन से संबंधित सभी अद्यतन जानकारी समय–समय पर मंडल की वेबसाइट (www.asrb.org.in) पर उपलब्ध कराई जाती है। इस अवधि के दौरान, मंडल को मुख्य रूप से निम्नलिखित से संबंधित 163 मामले प्राप्त हुए हैं :

क्र.सं.	मांगी गई सूचना
1.	विशेषज्ञों के नामों का खुलासा
2.	स्क्रीनिंग एवं साक्षात्कारों में प्राप्तांक
3.	सीधी भर्ती के पदों के लिए आवेदनों की स्क्रीनिंग पद्वति
4.	मूल्यांकन समिति द्वारा दिए गए अंक
5.	विभिन्न परीक्षाओं/नियुक्तियों में अन्य आवेदकों को प्राप्त अंक
6.	उत्तर पुस्तिकाओं की मूल्यांकन प्रक्रिया
7.	परीक्षाओं के आन्सर (उत्तर) की कुंजी
8.	उत्तर पुस्तिकाओं, ओएमआर शीट और प्रश्न पत्रों की फोटो कॉपी
9.	अवर श्रेणी लिपिक–2017 परीक्षा रद्द करने के कारण
10.	मंडल के प्रोएक्टिव आर्डर्स/मंडल के निर्णय और सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 4 का अनुपालन।
11.	आउटसोर्स मैन पावर का विवरण
12.	मंडल द्वारा दिए गए विभिन्न टेंडरों से संबंधित सूचना।

163 मामलों में से केवल 25 प्रतिशत आवेदकों ने प्रथम अपील दायर की। इन मामलों को भी सभी संबंधितों की संतुष्टि के लिए सफलतापूर्वक निपटाकर मंडल द्वारा जवाब दिया गया। पूरा विवरण नीचे दिया गया है :

वर्ष 2020-21 के दौरान सूचना का अधिनियम, 2005 के अनुपालन से संसाधित मामलों का सारांश

ब्लॉक I. (अनुरोध एवं अपील से संबंधित विवरण)

	01.04.2020 से पूर्व लम्बित मामलें	अन्य पीएएस से स्थानांतरित होकर आए मामलें	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुरोध (अन्य पीएएस को भेजे गए पत्रों सहित)	अन्य पीएएस यू/एस 6(3) को भेजे गए मामलों की संख्या	निर्णय जहां अनुरोध/अपील को अस्वीकार किया गया हो	निर्णय जहां अनुरोध/अपील स्वीकार किया गया हो
अनुरोध	–	20	143	07	09	147
प्रथम अपील	–	लागू नहीं	41	लागू नहीं	–	41
		पदनामित सी.ए.पी.आई.ओ. की कुल संख्या		पदनामित सी.पी.आई.ओ. की कुल संख्या	–	पदनामित ए ए की कुल संख्या
		–		2		1

ब्लॉक–II. (एकत्रित शुल्क, लगायी गई जुर्माना राशि तथा की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई)

एकत्र किया गया पंजीकरण शुल्क यू/एस 7(1)	यू/एस 7(1) के अंतर्गत एकत्र किया गया अतिरिक्त शुल्क	यू/एस 20(1) के अंतर्गत केन्द्रीय सूचना आयोग के निर्देशों के अनुसार वसूल की गई जुर्माना राशि	यू/एस 20(2) के अंतर्गत अधिकारियों के विरुद्ध की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के मामलें
1030/–	186/–	0	0

ब्लॉक–III. यू/एस 8 के विभिन्न प्रावधानों के तहत मांगी गई सूचना देने से इन्कार करने संबंधी विवरण

मांगी गई सूचना देने से मना करने के दौरान कितनी बार सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के विभिन्न प्रावधानों का सहारा लिया गया उसका विवरण														
धारा 8(1)												अन्य धाराएं		
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)	(एच)	(आई)	(जे)	(9)		(11)	(24)	अन्य
–	–	–	–	6	–	–	2	–	9	–	–	–	–	–

केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस)

इस अवधि के दौरान मंडल में 50 शिकायतें प्राप्त हुई, मुख्यतः परीक्षाओं के माध्यम से तकनीशियन (टी 1), अवर श्रेणी लिपिक 2017, नेट परीक्षाएं, एआरएस 2017 और सीधी भर्ती/पार्श्व प्रवेश की सामान्य सूचना जैसे विभिन्न मुद्दों से संबंधित थीं। विभिन्न अनुरोधों पर मंडल ने कुशलतापूर्वक एवं संतोषजनक ढंग से कार्रवाई की है।

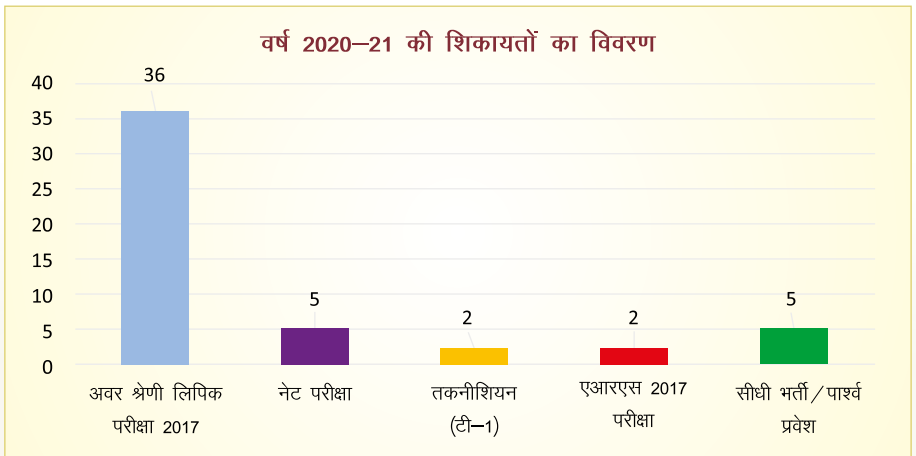

9

हिंदी (राजभाषा) की प्रगति

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार वार्षिक राजभाषा कार्यक्रम 2020–21 में निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल अपने कार्यालय में हिंदी के प्रगतिशील उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मंडल पूरी तरह से सुनिश्चित करता है कि अधिनियम और नियमों के प्रावधानों के अनुसार परिपत्रों, प्रतिवेदनों, प्रश्न पत्रों और अन्य दस्तावेजों की द्विभाषी आवश्यकता का सावधानीपूर्वक पालन किया जाता है।

- मंडल में लगभग शत प्रतिशत अधिकारियों एवं कार्मिकों को हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है।
- कर्मचारियों को सहायक साहित्यिक सामग्री, जैसे कृषि शब्दावली, मानक पत्रों/मसौदों के हिंदी नमूने, सामान्य वाक्यांशों का हिन्दी समानार्थ वाक्य आदि भी उपलब्ध कराए गए हैं।
- परीक्षा नियमों, नोटिस, पाठ्यक्रम, उम्मीदवारों के लिए अनुदेश, प्रवेश प्रमाण–पत्र, टेस्ट बुकलेट, उत्तर पुस्तिका, प्रश्न–पत्र, आवेदन प्रपत्र, उपस्थिति सूची आदि का मुद्रण अंग्रेजी संस्करण के साथ–साथ हिंदी संस्करण में भी किया जाता है।
- इस अवधि के दौरान मंडल द्वारा एक विज्ञापन हिन्दी और अंग्रेजी में जारी किया गया जिसे 'रोजगार समाचार' सहित देश के अग्रणी समाचार–पत्रों में प्रकाशित किया गया।
- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल कार्यालय के सभी कम्प्यूटर कीबोर्ड देवनागरी में लिखे गए वर्णों के साथ उपलब्ध कराए गए हैं।
- प्रश्नकर्ताओं/अनुवादकों की सुविधा के लिए कृषि शिक्षा/अनुसंधान में प्रयोग होने वाले महत्वपूर्ण तकनीकी शब्दों के लिए अंग्रेजी–हिन्दी शब्दकोश तैयार किए गए हैं।
- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल यह सुनिश्चित करता है कि उम्मीदवारों को प्रतियोगी परीक्षाओं तथा साक्षात्कारों में प्रश्नों के उत्तर हिंदी में देने हेतु हिंदी माध्यम को चुनने का विकल्प उपलब्ध हो।
- मंडल की वेबसाइट www.asrb.org.in द्विभाषी (अंग्रेजी एवं हिन्दी) रूप में है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकें

इस अवधि के दौरान मंडल नें जून, सितम्बर, दिसम्बर–2020 तथा मार्च 2021 में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार तिमाही बैठकों का आयोजन किया। इन बैठकों में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई तथा महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

दिनांक 31 मार्च 2021 को समाप्त तिमाही के लिए कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की राजभाषा तिमाही प्रगति रिपोर्ट से ज्ञात होता है कि :

- धारा 3(3) के अंतर्गत राजभाषा कार्यान्वयन 100% है। इसी प्रकार, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा 'क' एवं 'ख' क्षेत्र को भेजे गए उत्तर भी 100% हिंदी में हैं।
- हिंदी पत्राचार की स्थिति 'क' क्षेत्र के साथ 97.78%, 'ख' क्षेत्र के साथ 100% तथा 'ग' क्षेत्र के साथ 96.84% थी जबकि 'ग' क्षेत्र के लिए हिन्दी में पत्राचार का लक्ष्य 65% है।
- हिंदी में टिप्पण का समग्र निष्पादन 96.55% था जो निर्धारित लक्ष्य 75% से कहीं अधिक है।

तिमाही बैठक का एक दृश्य

तिमाही बैठक का एक दृश्य

राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन

वर्ष के दौरान कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने 9 से 24 सितंबर, 2020 तक "***राजभाषा–हिंदी पखवाड़ा***" का आयोजन किया। हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन 9 सितंबर, 2020 को किया गया। इस अवसर पर मंडल के संविदा कर्मचारियों सहित सभी अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. ने अपने औपचारिक संबोधन में सलाह दी कि हमें वार्षिक राजभाषा कार्यक्रम 2020–21 में निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपने कार्यालय में हिंदी के प्रगतिशील उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए।

राजभाषा पखवाड़ा के दौरान हिंदी के प्रयोग के विभिन्न पहलुओं पर निबंध लेखन, नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग और कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग पर तीन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें 27 नियमित और 25 संविदा कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रतियोगिताओं का विवरण इस प्रकार है:

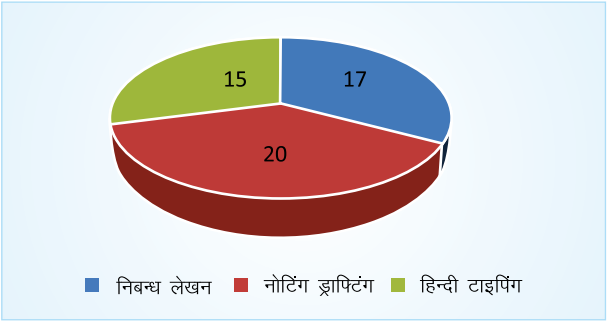

प्रतिभागियों की संख्या

समापन समारोह 24 सितंबर, 2020 को आयोजित किया गया था। अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. और सदस्यों ने राजभाषा पखवाड़ा के उत्सव की सराहना की। विभिन्न आयोजनों के विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

पखवाड़ा की झलकियां

राजभाषा पखवाड़ा आयोजन के दृश्य

हिन्दी प्रतियोगिताओं का दृश्य

राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह

राजभाषा पखवाड़ा 2020 के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण

10

महिला सशक्तिकरण

कोविड 19 महामारी के कारण इस वर्ष के दौरान कोई परीक्षा आयोजित नहीं की जा सकी। यह खुशी की बात है कि राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) में उत्तीर्ण और कृषि अनुसंधान सेवा (ए.आर.एस.) की पिछली पांच परीक्षाओं में चयनित महिला उम्मीदवारों का प्रतिशत क्रमशः 43 से 50 प्रतिशत और 31 से 43 प्रतिशत तक बढ़ गया है।

नेट परीक्षा		ए.आर.एस. परीक्षा	
परीक्षा वर्ष	उत्तीर्ण महिला उम्मीदवारों का प्रतिशत	परीक्षा वर्ष	उत्तीर्ण महिला उम्मीदवारों का प्रतिशत
2015	43	2013–14	31
2016	44	2014–15	33
2017	45	2015–16	34
2018	50	2016–17	36
2019	50	2019–20	43

11 मान्यताएं/पुरस्कार/सम्मान

प्रोफेसर (डॉ.) ए. के. मिश्रा, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. को प्राप्त मान्यताएं/पुरस्कार एवं सम्मान

1. डॉ. डी. सुंदरेसन स्मृति व्याख्यान–2021, भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल का पुरस्कार, 26 मार्च, 2021 को दिया गया। यह पुरस्कार डॉ. एम. एस. चौहान, निदेशक एन.डी.आर.आई., करनाल द्वारा दिया गया।

2. पं. दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान उत्तर प्रदेश

के 10वें दीक्षांत समारोह 23 फरवरी, 2021 में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हो कर दीक्षांत समारोह व्याख्यान दिया।

3. कोविड–19 महामारी के विशेष संदर्भ में प्रजनन और पर्यावरणीय स्वास्थ्य की चुनौतियों और रणनीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा इंडियन सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ रिप्रोडक्शन एण्ड फर्टिलिटी की 31वीं वार्षिक बैठक के अवसर पर दिनांक 19 फरवरी, 2021 को प्रजनन और प्रजनन क्षमता के अध्ययन के लिए इंडियन सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ रिप्रोडक्शन एण्ड फर्टिलिटी द्वारा 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार डॉ. बलराम भार्गव, सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया।
4. 29 अगस्त, 2020 को बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना का स्थापना दिवस व्याख्यान प्रस्तुत किया।
5. 01 जून, 2020 को भारतीय पशु चिकित्सा संघ द्वारा आयोजित 'विश्व दुग्ध दिवस–2020' में व्याख्यान दिया।
6. भा.कृ.अनुप.–राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान और प्रबंधन अकादमी के फाउंडेशन कोर्स के तहत कृषि अनुसंधान सेवा (ए.आर.एस.) वैज्ञानिकों के 111वें बैच के वैज्ञानिकों को 19 दिसंबर, 2020 को संबोधित किया और उनके साथ पारस्परिक चर्चा की।

डॉ. पी. के. चक्रबर्ती, सदस्य, कृ.वै.च.मं. को प्राप्त मान्यताएं/पुरस्कार एवं सम्मान

1. भारतीय फाइटोपैथोलॉजिकल सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए और फरवरी 2020 से मार्च 31, 2021 तक कार्य किए हैं।
2. इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी के अध्यक्ष के रूप में, 4 जून, 2020 को आई.पी.एस. की आपातकालीन बैठक (वर्चुअल) बुलाई और अध्यक्षता की, जिसमें वैज्ञानिकों के पौधों की सुरक्षा दृष्टिकोण को तैयार किया गया। "27 जेनेरिक कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाने के लिए 14 मई, 2020 को कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा एक मसौदा आदेश अधिसूचित किया गया था, अधिसूचना के 45 दिनों के भीतर प्रस्तावित प्रतिबंध पर हितधारकों के सुझाव आमंत्रित किए गए थे।
3. कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा 14 मई, 2020 को प्रकाशित मसौदा अधिसूचना "27 कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाने के आदेश 2020" में उचित संशोधन के सुझाव देने के लिए आई.सी.ए.आर. द्वारा विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया।
4. प्रवासी और भारतीय निवासी वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों के वैश्विक शिखर सम्मेलन में 14 अक्टूबर 2020 को खाद्य और पोषण सुरक्षा पर क्षैतिज सत्र में खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता पर भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सत्र (वैश्विक भारतीय विज्ञान शिखर सम्मेलन) की अध्यक्षता की।

5. आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली में 23 जुलाई, 2020 को आयोजित अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना की 28वीं वार्षिक कार्यशाला के दौरान वेबिनार के माध्यम से कीटनाशक अवशेषों पर वैज्ञानिकों को कीटनाशक अवशेषों के संबंध में सलाह देने के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
6. डॉ. चहल विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में 27 कीटनाशकों के गुण एवं दोष तथा उद्योग द्वारा विज्ञान आधारित तर्क के आधार पर प्रस्तुत आंकड़ों के आलोक में प्रतिबंध की समीक्षा की आवश्यकता पर 26 जून, 2020 से 6 अगस्त, 2020 के दौरान छह ऑनलाइन बैठकों में भाग लिया। इस मुद्दे को कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग के साथ आगे ले जाने हेतु भा.कृ.अनु.प. को रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी।
7. नेशनल इंस्टीटयूट फॉर प्लांट बायोटेक्नोलॉजी (एनआईपीबी), नई दिल्ली के अंतर्गत "बायोटेक फसलों पर ए.आई.सी.आर.पी." के तौर–तरीकों को अंतिम रूप देने के लिए सचिव, डेयर और महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. द्वारा 30 जून, 2020 को गठित वैज्ञानिक समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया।
8. जीएम फसलों पर नए प्रस्तावित ए.आई.सी.आर.पी. के तौर–तरीकों पर "ए.आई.सी.आर.पी. बायोटेक क्रॉप्स" समिति के सदस्य के रूप में 13 अगस्त, 2020 से 17 दिसंबर, 2020 तक श्रृंखलाबद्व रूप सें तीन ऑनलाइन बैठकों में भाग लिया। आगे आवश्यक कार्रवाई करने और गठन एवं वित्त पोषण हेतु ई.एफ.सी. को शामिल करने के लिए भा.कृ.अनु.प. को रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी।
9. ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज (टीएएएस), नई दिल्ली द्वारा एक प्रमुख पैनलिस्ट के रूप में 24 जुलाई, 2020 को निर्धारित "वर्तमान चुनौतियों और कीटनाशकों के प्रबंधन के लिए आगे की राह पर स्टेक होल्डरों की वार्ता" में आमंत्रित किया गया। संवाद इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी (आई.पी.एस.), सोसाइटी ऑफ पेस्टिसाइड साइंस इंडिया (एसपीएसआई) और एंटोमोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (ई.एस.आई.) के सहयोग से आयोजित किया गया था।

10. गैर–आई.एफ. पत्रिकाओं के अंकों के पुनर्मूल्यांकन के लिए राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी द्वारा जनवरी 2021 से एन.ए.ए.एस. जर्नल स्कोर समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था।
11. भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, रायपुर के 9वें स्थापना दिवस 7 अक्टूबर, 2020, में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और जैविक स्ट्रैस प्रबंधन पर नीतिगत दृष्टिकोण पर पैनल चर्चा में विचार–विमर्श किया।
12. इंडियन एकेडमी ऑफ हॉर्टिकल्चरल साइंस द्वारा 22 दिसंबर, 2020 को आयोजित "हनी बीस्, अदर पोलिनेटर्स एंड पोलिनाइज़र्स इन हॉर्टिकल्चर" विषय पर विचार मंथन में मुख्य पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था।
13. इंडियन सोसाइटी ऑफ प्लांट पैथोलॉजिस्ट, लुधियाना के सहयोग से इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी (उत्तरी क्षेत्र) के तत्वावधान में 18–19 दिसंबर, 2020 को आयोजित 'कम्बैटिंग रस्ट्स एण्ड करनाल बंट ऑफ व्हीट' पर विचार–मंथन सत्र में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।

14. भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय स्टेशन, वेलिंगटन–643231 नीलगिरी, तमिलनाडु में 01 दिसंबर, 2020 को भारतीय फाइटोपैथोलॉजिकल सोसायटी (दक्षिण क्षेत्र) के तत्वावधान में आयोजित

"फसल स्वास्थ्य प्रबंधन में प्रगति" पर अध्यक्ष, आईपीएस के रूप में क्षेत्रीय आभासी संगोष्ठी – 2020 में अध्यक्षीय भाषण दिया।

15. आई.पी.एस. (मध्य क्षेत्र) के तत्वावधान में डॉ वाई.एस. आर.एच.यू. द्वारा 6–7 जनवरी, 2021 को आयोजित "फाइटोपैथोलॉजी में प्रगति" विषय पर क्षेत्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय भाषण दिया।

16. इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी, नई दिल्ली द्वारा 25–27 मार्च, 2021 के दौरान आयोजित "पौधा स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षाः चुनौतियां एवं अवसर" विषय पर राष्ट्रीय ई–सम्मेलन में अध्यक्षीय भाषण दिया।

17. "स्टीवार्डशिप फॉर सेफ यूज एंड हैंडलिंग ऑफ पेस्टिसाइड्स" नामक पुस्तक डॉ. पी. के. चक्रवर्ती और सहकर्मियों द्वारा लिखी गई थी और इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी, आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली, भारत द्वारा प्रकाशित की गई थी। पुस्तक को आधिकारिक तौर पर डॉ. त्रिलोचन महापात्र सचिव डेयर और महानिदेशक – आई.सी.ए.आर. द्वारा 25 मार्च, 2020 को "पौधा स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षाः चुनौतियां एवं अवसर" विषय पर राष्ट्रीय ई–सम्मेलन में विमोचन किया गया था।

18. आई.पी.एस. मध्य–पूर्वी क्षेत्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़– 202 002 के तत्वावधान में 4 अगस्त 2020 को आयोजित पूर्वानुमान और पादप रोग प्रबंधन विषय पर आई.पी.एस. क्षेत्रीय संगोष्ठी के दौरान अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया।

19. बायोएग्री इनपुट्स प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन – बी.आई.पी.ए., हैदराबाद के सलाहकार रूप में 9 सितंबर, 2020 को नामित किया गया।

20. इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसायटी के पुनर्निर्मित कार्यालय का उद्घाटन आई.ए.आर.आई. में सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. पी.के. चक्रवर्ती द्वारा डॉ रश्मि अग्रवाल, डीन पी.जी.एस. और अध्यक्ष, पादप रोगविज्ञान, आई.पी.एस. के पूर्व एवं वर्तमान सचिवों और आई.पी.एस. के अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में 18 सितंबर, 2020 को किया गया।

प्रकाशन

पुस्तक

चक्रबर्ती, पी. के., कर्माकर, सेल्वाकुमारन एस., सहारन, एम. एस., मंडल, के. के., गुर्जर, एम. एस. एवं गोगोई आर. 2021। "स्टीवार्डशिप फॉर सेफ यूज एंड हैंडलिंग ऑफ पेस्टिसाइड्स", इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसायटी, आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली, भारत।

कृ.वै.च.मं. के प्रकाशन

1. वार्षिक प्रतिवेदन 2019–20
   (अंग्रेजी एवं हिन्दी संस्करण)

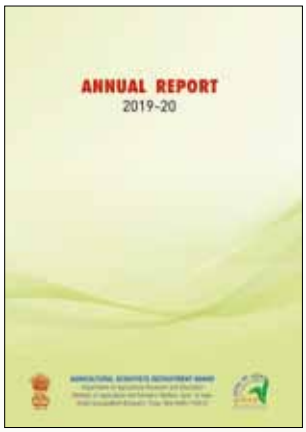

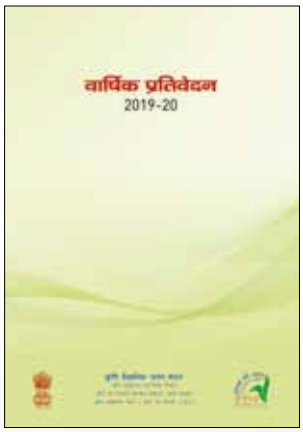

परिशिष्ट I

वर्ष 2020-21 के दौरान मंडल में स्वीकृत पदों की स्थिति

क्र.सं.	पद	स्वीकृति	31.3.2021 की स्थिति के अनुसार	रिक्त
1	अध्यक्ष	1	1	–
2	सदस्य	3	3	–
3	सचिव (संयुक्त सचिव स्तर)	1	1	–
4	वरिष्ठ विशेशज्ञ (आईटी) प्रधान वैज्ञानिक स्तर	1	–	1
5	परीक्षा नियंत्रक (निदेशक स्तर)	1	1*	–
6	उपसचिव/उपनिदेशक वित्त	5	2*	3
7	अवर सचिव	5	1*	4
8	सहायक निदेशक (राजभाषा)	1	–	1
9	वित्त एवं लेखा अधिकारी	2	–	2
10	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी 6) आईटी	3	1**	3
11	अनुभाग अधिकारी	11	6*	5
12	प्रधान निजी सचिव	4	2*	2
13	निजी सचिव	6	1*	5
14	सहायक	30	11*	19
15	निजी सहायक	4	1*	3
16	आशुलिपिक	4	0	4
17	हिन्दी अनुवादक	2	0	2
	कुल	**84**	**31**	**54**
	अतिरिक्त			
18	मुख्य तकनीकी अधिकारी–टी–9 (शस्य विज्ञान)	–	1*	अतिरिक्त
19	उच्च श्रेणी लिपिक	–	4*	अतिरिक्त
20	चपरासी	–	2*	अतिरिक्त
	कुल	**84**	**38**	**54**

*प्रतिनियुक्ति पर

**तकनीकी अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार मंडल में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची

प्रो. (डॉ) ए.के. मिश्रा	अध्यक्ष
प्रो. (डॉ) ए. के. श्रीवास्तव	सदस्य (पशु विज्ञान)
डॉ. पी. के. चक्रबर्ती	सदस्य (पादप विज्ञान)
डॉ. के. के. सिंह	सदस्य (एनआरएम)
श्री विवेक अग्रवाल	सचिव
अधिकारीगण	
श्री पी.के. बागे	निदेशक
श्री राजेन्द्र कुमार	उपसचिव (भर्ती)
श्री राकेश भारद्वाज	परीक्षा नियंत्रक
डॉ. सुरेश पाल	मुख्य तकनीकी अधिकारी
श्री अजय गौतम	अवर सचिव
श्री मुकेश कुमार	प्रधान निजी सचिव
श्रीमती सुमन लता	प्रधान निजी सचिव
श्री लाल सिंह रावत	अनुभाग अधिकारी
श्री अनुराग अरोड़ा	अनुभाग अधिकारी
श्री विकास जैन	अनुभाग अधिकारी
श्री आशीश वर्मा	अनुभाग अधिकारी
श्री उपेन्द्र मेहता	अनुभाग अधिकारी
श्री विजय कुमार प्रसाद	अनुभाग अधिकारी
श्रीमती नीरू खन्ना	निजी सचिव
श्री रवि भूषण तिवारी	तकनीकी अधिकारी
कर्मचारीगण	
श्रीमती ऊषा नायर	निजी सहायक
श्री सतीश पाल सिंह	सहायक
श्री रूआल मुअन थंग थोम्ते	सहायक
श्री सुख पाल सिंह	सहायक
श्री प्रदीप डागर	सहायक
श्री विक्रम गोयत	सहायक
श्री दीपेश अग्रवाल	सहायक
श्री ललित कुमार पाल	सहायक
श्री हिमांशु कुमार गौतम	सहायक
श्री पुनीत शर्मा	सहायक
श्री एस. एस. डोगरा	सहायक
श्री राकेश कुमार शर्मा	सहायक
श्री महादेव पाल	उच्च श्रेणी लिपिक (कैशियर)
श्री रोशन सिंह रावत	उच्च श्रेणी लिपिक
श्री रविन्द्र सिंह रावत	उच्च श्रेणी लिपिक
श्री धीरज सिंह	उच्च श्रेणी लिपिक
श्री शिव प्रसाद	कुशल सहायक कर्मचारी
श्री सुरेश कुमार	कुशल सहायक कर्मचारी

परिशिष्ट III

2020-21 के दौरान कृ.वै.च.म. की प्राप्तियां एवं व्यय

प्राप्तियां		राशि (लाख में)
(क)	**प्राप्तियां**	
	आवेदन एवं परीक्षा शुल्क	0.13
	अन्य प्राप्तियां	0.13
	कुल	**0.26**
(ख)	**खर्च**	
	वेतन	516.71
	मजदूरी (संविदा कार्मिक)	194.23
	समयोपरि भत्ता (ओटीए)	0.0
	यात्रा व्यय (देश/विदेश में)	0.07
	कार्यालयी खर्च	96.81
	पूंजीगत खर्च	159.95
परीक्षा एवं नियुक्ति/भर्ती पर व्यय		
(क)	यात्रा/मानदेय खर्च (विशेषज्ञ, सलाहकार एवं अभ्यर्थी)	100.51
(ख)	अन्य खर्च	73.61
	कुल गैर–योजना	0.0
	सकल योग	**1141.89**

परिशिष्ट IV

पिछले पांच वर्षों में बोर्ड के कार्यभार का तुलनात्मक विवरण

	कार्य का विवरण	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2020–21
क.	**परीक्षाओं द्वारा भर्ती**					
	आयोजित परीक्षाओं की संख्या	@06	*5	6%	1+	$
	भरे गए पदों की सं.	458	495	963	181	–
	प्राप्त आवेदनों की सं.	1,16,690	1,49,560	1,25,069	46,353	–
	साक्षात्कार लिए गए उम्मीदवारों की संख्या	363	831	–	708	–
	भारत में परीक्षा आयोजित किए गए केन्द्रों की संख्या	27	47	34	31	–
ख.	**साक्षात्कार/सीधी भर्ती द्वारा भर्ती**					
	साक्षात्कार लिए गए पदों की संख्या	55	5	–	170	44
	प्राप्त आवेदनों की संख्या	924	117	1366	392	1356
	साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवारों की संख्या	438	56	–	162	429
	साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	331	44	–	144	316
ग.	नेट उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों की संख्या	3803	6987	11,906	4271	$
घ.	मूल्यांकित वैज्ञानिकों की संख्या (सीएएस)	177	219	102	21	134
ङ.	पंचवर्षीय मूल्यांकन	–	–	–	–	–
च.	एआरएस में प्रवेश	–	–	–	1	1

@. ए.आर.एस. 2015 मुख्य परीक्षा, नेट 2016 (I) परीक्षा, तकनीकी सहायक (टी 3) एवं तकनीशियन (टी 1) के लिए सामान्य लिखित परीक्षा तथा सहायक एवं उच्च श्रेणी लीपिक के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 2016।

* ए.आर.एस. 2016 एवं नेट 2017 प्रारंभिक परीक्षा, एआरएस मुख्य परीक्षा, आशुलिपिक ग्रेड–III परीक्षा.2017, अवर श्रेणी लिपिक परीक्षा–2016 तथा भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय में अनुभाग अधिकारी और निजी सचिव के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा 2017।

% ए.आर.एस. 2017 एवं नेट 2018 (I) प्रारंभिक परीक्षा, ए.आर.एस. 2017 मुख्य परीक्षा, टी 1 परीक्षा, अवर श्रेणी लिपिक के लिए कौशल परीक्षण, आशुलिपिकों के लिए कौशल परीक्षण, नेट 2018 (II)

\+ राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा–2019 ।

$ कोविड–19 महामारी के कारण परीक्षा आयोजित नहीं की जा सकी।

परिशिष्ट V

सीधी भर्ती 2020-21

क्र. स.	विज्ञापन सं. एवं मद संख्या	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदित उम्मीदवार	बुलाए गए उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	चयनित	परिषद को सिफारिश भेजने की तिथि
सहायक महानिदेशक								
1.	01/2019 (09)	सहायक महानिदेशक (भोजन एवं चारा फसलें) भा.कृ.अनु.प.–मुख्यालय, नई दिल्ली	03.11.2020	43	10	09	चयनित	03.11.2020
2.	01/2019 (10)	सहायक महानिदेशक (बीज) भा.कृ.अनु.प.– मुख्यालय, नई दिल्ली	19.11.2020	41	10	07	चयनित	06.01.2020
3.	01/2019 (11)	सहायक महानिदेशक (तिलहन और दालें) भा.कृ.अनु.प.–मुख्यालय, नई दिल्ली	20.11.2020	28	10	09	चयनित	06.01.2020
4.	01/2019 (16)	सहायक महानिदेशक (पौध संरक्षण एवं जैव सुरक्षा) भा.कृ.अनु.प.–मुख्यालय, नई दिल्ली	19.01.2021	45	10	05	चयनित	19.01.2021
5.	01/2019 (12)	सहायक महानिदेशक (मानव संसाधन विकास) भा.कृ.अनु.प.–मुख्यालय, नई दिल्ली	16.02.2021	125	10	05	चयनित	16.02.2021
निदेशक								
6.	01/2019 (21)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ	15.09.2020	22	11	06	चयनित	17.09.2020
7.	01/2019 (24)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– राष्ट्रीय जूट और संबद्ध फाइबर प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, कोलकाता	16.09.2020	09	07	05	चयनित	17.09.2020
8.	01/2019 (25)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय गोपशु अनुसंधान संस्थान मेरठ कैंट, (यूपी)	17.09.2020	28	10	10	चयनित	17.09.2020

क्र. स.	विज्ञापन सं. एवं मद संख्या	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदित उम्मीदवार	बुलाए गए उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	चयनित	परिषद को सिफारिश भेजने की तिथि
9.	01/2019 (28)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर	21.09.2020	21	11	10	चयनित	21.09.2020
10.	01/2019 (30)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग योजना ब्यूरो, नागपुर	23.09.2020	13	10	09	चयनित	23.09.2020
11.	01/2019 (39)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–. केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर	25.09.2020	51	12	08	चयनित	25.09.2020
12.	01/2019 (40)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– राष्ट्रीय मांस अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद	28.09.2020	15	11	08	चयनित	28.09.2020
13.	01/2019 (47)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	29.09.2020	13	11	09	चयनित	29.09.2020
14.	01/2019 (58)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– केन्द्रीय कटाई उपरान्त अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना	30.09.2020	14	07	07	चयनित	30.09.2020
15.	01/2019 (41)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	05.11.2020	23	10	09	चयनित	05.11.2020
16.	01/2019 (49)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर	06.11.2020	17	08	07	चयनित	06.11.2020

क्र. स.	विज्ञापन सं. एवं मद संख्या	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदित उम्मीदवार	बुलाए गए उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	चयनित	परिषद को सिफारिश भेजने की तिथि
17.	01/2019 (42)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– राष्ट्रीय याक अनुसंधान केन्द्र, दीरांग, अरूणाचल प्रदेश	09.11.2020	20	08	05	चयनित	09.11.2020
18.	01/2019 (22)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली	10.11.2020	44	12	09	चयनित	10.11.2020
19.	01/2019 (52)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी	11.11.2020	13	05	05	चयनित	11.11.2020
20.	01/2019 (43)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार, हरियाणा	12.11.2020	44	10	06	चयनित	12.11.2020
21.	01/2019 (44)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– राष्ट्रीय ऊँट अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर, राजस्थान	17.11.2020	38	10	05	चयनित	06.01.2021
22.	01/2019 (45)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– राष्ट्रीय शूकर अनुसंधान केन्द्र, गोवाहाटी, असम	18.11.2020	33	10	08	चयनित	06.01.2021
23.	01/2019 (50)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– पूर्वोत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद उमियाम, बारापानी	25.11.2020	59	10	07	चयनित	06.01.2021

क्र. स.	विज्ञापन सं. एवं मद संख्या	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदित उम्मीदवार	बुलाए गए उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	चयनित	परिषद को सिफारिश भेजने की तिथि
24.	01/2019 (53)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून, उत्तराखण्ड	26.11.2020	45	11	10	चयनित	12.02.2021
25.	01/2019 (51)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसधान संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना	20.01.2021	49	10	08	चयनित	20.01.2021
26.	01/2019 (27)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ईला, ऑल्ड गोवा	25.01.2021	98	10	04	चयनित	25.01.2021
27.	01/2019 (55)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– केन्द्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान, कोच्ची	27.01.2021	09	08	06	चयनित	27.01.2021
28.	01/2019 (34)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– भारतीय चारागाह और चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी	28.01.2021	33	10	08	चयनित	28.01.2021
29.	01/2019 (48)	निदेशक, भा.कृ.अनु.सं. महात्मा गॉधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान मोतिहारी, बिहार	29.01.2021	22	10	05	चयनित	29.01.2021
30.	01/2019 (33)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी	30.01.2021	16	10	09	चयनित	30.01.2021
31.	01/2019 (57)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, करनाल	01.02.2021	32	10	07	चयनित	01.02.2021

क्र. स.	विज्ञापन सं. एवं मद संख्या	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदित उम्मीदवार	बुलाए गए उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	चयनित	परिषद को सिफारिश भेजने की तिथि
32.	01/2019 (35)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	02.02.2021	33	10	06	चयनित	02.02.2021
33.	01/2019 (36)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र, सोलापुर, महाराष्ट्र	05.02.2021	19	10	07	चयनित	05.02.2021
34.	01/2019 (46)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– शीतजल मत्स्य अनुसंधान निदेशालय, भीमताल, उत्तराखंड	06.02.2021	17	10	07	चयनित	06.02.2021
35.	01/2019 (37)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर	09.02.2021	49	10	06	चयनित	09.02.2021
36.	01/2019 (54)	निदेशक, भा.कृ.अनु.सं. केन्द्रीय नींबू वर्गीय फल अनुसंधान संस्थान, नागपुर	10.02.2021	15	10	10	चयनित	10.02.2021
37.	01/2019 (56)	निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– कुक्कुट पालन अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद	15.02.2021	19	08	07	चयनित	15.02.2021
परियोजना निदेशक								
38.	01/2019 (59)	परियोजना निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली	27.11.2020	17	10	07	चयनित	06.01.2021

क्र. स.	विज्ञापन सं. एवं मद संख्या	पद का नाम	साक्षात्कार की तिथि	आवेदित उम्मीदवार	बुलाए गए उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	चयनित	परिषद को सिफारिश भेजने की तिथि
39.	01/2019 (61)	परियोजना निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– खुर एवं मूँह पका रोग परियोजना निदेशालय मुक्तेश्वर	24.11.2020	11	10	06	चयनित	24.11.2020
संयुक्त निदेशक								
40.	01/2019 (63)	संयुक्त निदेशक, भा.कृ.अनु.प.– राष्ट्रीय कृषि अकादमी अनुसंधान प्रबंधन, हैदराबाद, तेलंगाना	03.02.2021	36	10	08	चयनित	03.02.2021
41.	01/2019 (62)	संयुक्त निदेशक, (शिक्षा विस्तार) भा.कृ.अनु.प.–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र, इज्जतनगर	04.02.2021	10	09	06	चयनित	04.02.2021
42.	01/2019 (64)	संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), भा.कृ.अनु.प.– राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल (हरियाणा)	08.02.2021	36	10	09	चयनित	08.02.2021
43.	01/2019 (65)	संयुक्त निदेशक भा.कृ.अनु.प.–मुक्तेश्वर परिसर, आई.वी.आर.आई. इज्जतनगर	11.02.2021	16	10	03	चयनित	11.02.2021
44.	01/2019 (66)	संयुक्त निदेशक भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मत्स्य पालन शिक्षा संस्थान, मुम्बई	12.02.2021	15	10	09	चयनित	12.02.2021

परिशिष्ट VI

वर्ष 2020-21 के दौरान भा.कृ.अनु.प. के संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत मूल्यांकन के मामले

क्र.सं.	विषय क्षेत्र का नाम	साक्षात्कार की तिथि	साक्षात्कार लिए गए उम्मीदवार
1.	भूमि एवं जल प्रबंधन अभियांत्रिकी	28.07.2020	1
2.	मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी	28.07.2020	4
3.	मृदा विज्ञान–मृदा भौतिकी एवं मृदा जल संरक्षण	30.07.2020	1
4.	मृदा विज्ञान	30.07.2020	6
5.	मृदा रसायन/उर्वरता/सूक्ष्म जैविकी	30.07.2020	1
6.	कृषि सांख्यिकी	03.08.2020	2
7.	जैवरसायनिकी (पी.एस.)	04.08.2020	3
8.	कृषि में कम्प्यूटर अनुप्रयोग	04.08.2020	3
9.	पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन	04.08.2020	1
10.	पशु शल्य चिकित्सा	05.08.2020	1
11.	पशु चिकित्सा रोग विज्ञान	06.08.2020	1
12.	कृषि कीट विज्ञान	07.08.2020	7
13.	फार्म मशीनरी एवं पॉवर	07.08.2020	4
14.	पशु जैवरसायनिकी	07.08.2020	1
15.	भौतिकी	10.08.2020	1
16.	पादप शरीरक्रिया विज्ञान	11.08.2020	3
17.	वस्त्र तैयारी एवं प्रौद्योगिकी	11.08.2020	1
18.	पशु शरीरक्रिया विज्ञान	11.08.2020	3
19.	जैविक रसायनिकी	13.08.2020	2
20.	कृषि वानिकी	14.08.2020	3
21.	पशुधन उत्पादन प्रौद्योगिकी	14.08.2020	3
22.	सूत्रकृमि विज्ञान	14.08.2020	1
23.	कृषि आर्थिकी	17.08.2020	2
24.	बागवानी	19.08.2020	6
25.	पशु चिकित्सा सूक्ष्मजैविकी	21.08.2020	4
26.	कृषि विस्तार	21.08.2020	7
27.	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	24.08.2020	9
28.	पादप रोग निदान	27.08.2020	7
29.	सस्य विज्ञान	24–28.08.2020	17
30.	पशु पोषण	28.08.2020	9
31.	जलजीव पालन	01.09.2020	5
32.	पशु जैवप्रौद्योगिकी	02.09.2020	10
33.	मात्स्यिकी एवं मत्स्य विज्ञान	03.09.2020	5
			134

परिशिष्ट VII

संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार तकनीकी पदों के लिए विभागीय पदोन्नती समितियों (2020-21) का गठन किया गया

क्र.सं.	संस्थान का नाम	समितियों की संख्या
I.	**कृषि अभियांत्रिकी**	
1	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मुंबई	01
2	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल	02
3	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय प्राकृतिक रेसिन एवं गम्स संस्थान, रांची	01
4	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता	01
II.	**पशु विज्ञान**	
5	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	02
6	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर	01
7	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	01
8	भा.कृ.अनु.प.– केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार	01
9	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल	01
10	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय याक अनुसंधान संस्थान, दिरांग	01
11	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय ऊँट अनुसंधान संस्थान, बीकानेर	01
12	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान संस्थान, हिसार	02
13	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम	01
III.	**फसल विज्ञान**	
14	भा.कृ.अनु.प.– भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01
15	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर	02
16	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय जूट एवं सम्बद्ध रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर	01
17	भा.कृ.अनु.प.–मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़	01
18	भा.कृ.अनु.प.– भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	04
19	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01
20	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर	02
21	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी	01
22	भा.कृ.अनु.प.– भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर	03
23	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	02
24	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल	05
25	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो, मऊनाथ भवन	01
26	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर	04
27	भा.कृ.अनु.प.–विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अलमोड़ा	01

IV.	**मात्स्यिकी विज्ञान**	
28	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय अंतःस्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर	01
29	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय ताजा जलजीव पालन संस्थान, भुबनेश्वर	01
30	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोच्चि	02
31	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, कोच्चि	01
32	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई	01
33	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ	02
V.	**बागवानी विज्ञान**	
34	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय नींबू वर्गीय अनुसंधान संस्थान, नागपुर	03
35	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय उपोष्णकटिबंधीय बागवानी संस्थान, लखनऊ	02
36	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शीतोश्ष्ण बागवानी संस्थान, श्रीनगर	02
37	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्टब्लेयर	03
38	भा.कृ.अनु.प.–काजू अनुसंधान निदेशालय, पुत्तूर	01
39	भा.कृ.अनु.प.–औषधीय एवं सुगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद	01
40	भा.कृ.अनु.प.–मशरूम अनुसंधान निदेशालय, सोलन	04
41	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सब्जी अनुसंधान निदेशालय, वाराणसी	02
42	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय केला अनुसंधान केन्द्र, त्रिची	03
43	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र, मुजफ्फरपुर	01
44	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र, शोलापुर	01
VI.	**प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन**	
45	भा.कृ.अनु.प.–पूर्वी क्षेत्र के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर, पटना	03
46	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी	01
47	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा	01
48	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01
49	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय जल प्रबंधन संस्थान, भुबनेश्वर	01
50	भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर	02
51	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल	01
52	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर	02
VII.	**कृषि शिक्षा**	
53	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	01
54	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि अर्थशास्त्र एवं नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	01
VIII.	**कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी)**	
55	भा.कृ.अनु.प.–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर	01
56	भा.कृ.अनु.प.–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01
57	भा.कृ.अनु.प.–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, बेंगलूरु	01
कुल		**93**

परिशिष्ट VIII

संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिकों के कैरियर एडवांसमेंट के लिए विभागीय पदोन्नती समितियों (2020-21) का गठन किया गया

क्र.सं.	संस्थान का नाम	समितियों की संख्या
I.	**कृषि अभियांत्रिकी**	
1	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मुंबई	01
2	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल	01
II.	**पशु विज्ञान**	
3	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय गोपशु अनुसंधान संस्थान, मेरठ	01
4	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	01
5	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर	01
6	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल	01
7	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	01
8	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मांस अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद	02
III.	**फसल विज्ञान**	
9	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय तोरिया एवं सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर	01
10	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	01
11	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01
12	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर	01
13	भा.कृ.अनु.प.–विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अलमोड़ा	01
VI.	**मात्स्यिकी विज्ञान**	
14	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोच्चि	03
15	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय ताजा जलजीव पालन संस्थान, भुबनेश्वर	01
16	भा.कृ.अनु.प.– केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, कोच्चि	01
17	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ	01
18	भा.कृ.अनु.प.– शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान निदेशालय, भीमताल	01
V.	**बागवानी विज्ञान**	
19	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्टब्लेयर	02
20	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान, पीडाबेगी	01
21	भा.कृ.अनु.प.–काजू अनुसंधान निदेशालय, पुत्तुर	01
22	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी	01
23	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र, शोलापुर	02
24	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केन्द्र, पुणे	01
VI.	**प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन**	
25	भा.कृ.अनु.प.–पूर्वी क्षेत्र के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर, पटना	02
25	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा	01
26	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01
27	भा.कृ.अनु.प.–पूर्वोत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर, बारापानी	01
28	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय जल प्रबंधन संस्थान, भुबनेश्वर	02
29	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर	01
	कुल	**37**

परिशिष्ट IX

कार्मिक (नियुक्तियां, पदोन्नतियां, स्थानांतरण, सेवानिवृत्तियां आदि)

नियुक्तियां/पदभार ग्रहण

- श्री राकेश भारद्वाज, परीक्षा नियंत्रक ने दिनांक 1 दिसम्बर, 2020 को भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय से स्थानान्तरित होकर कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्रीमती सुमन लता, प्रधान निजी सचिव ने दिनांक 15 दिसम्बर, 2020 को भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय से स्थानान्तरित होकर कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री पी. के. बागे, निदेशक, ने दिनांक 29 दिसम्बर, 2020 को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, झाडखंड से स्थानान्तरित होकर कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री विजय कुमार प्रसाद, अनुभाग अधिकारी ने दिनांक 8 जनवरी, 2020 को भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय से स्थानान्तरित होकर कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री पुनीत शर्मा, सहायक ने दिनांक 12 जनवरी, 2020 को भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय से स्थानान्तरित होकर कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।

सेवानिवृत्ति

- श्री सुरिन्द्र कुमार, वाहन चालक कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल से दिनांक 31 मई, 2020 को सेवानिवृत्त हुए।
- श्रीमती सीमा बम्मी, प्रधान निजी सचिव कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल से दिनांक 30 सितम्बर, 2020 को सेवानिवृत्त हुईं।

सेवानिवृत्त होने पर मंडल द्वारा श्रीमती सीमा बम्मी का सम्मान

- श्री जे. रवि, निदेशक एवं श्री वेद प्रकाश परीक्षा नियन्त्रक, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल से दिनांक 31 दिसम्बर, 2020 को सेवानिवृत्त हुए।

सेवानिवृत्त होने पर मंडल द्वारा श्री जे. रवि का सम्मान

सेवानिवृत्त होने पर मंडल द्वारा श्री वेद प्रकाश का सम्मान

- श्री आर.पी. यादव, वित्त एवं लेखा अधिकारी कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल से दिनांक 28 फरवरी, 2020 को सेवानिवृत्त हुए।

सेवानिवृत्त होने पर मंडल द्वारा श्री आर. पी. यादव का सम्मान

शोक समाचार

प्रो. एम. महादेवप्पा के निधन पर कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल (ए.एस.आर.बी.) गहरा शोक व्यक्त करता है, जो 6 मार्च, 2021 को अपने आवास, मैसूर से अपने स्वर्गीय निवास के लिए रवाना हुए थे।

कृषि वैज्ञानिक के रूप में, उन्होंने उच्च उपज वाले संकर चावल की नौ से अधिक किस्मों के विकास सहित विभिन्न नवीन अनुप्रयोगों और अनुसंधान पहलों के माध्यम से भारतीय कृषि समुदाय कों व्यापक योगदान दिया। देश में संकर चावल की खेती में अग्रणी होने के साथ–साथ उन्हें अपने एकीकृत पार्थेनियम खरपतवार प्रबंधन के लिए भी श्रेय दिया गया।

कृषि वैज्ञानिक के रूप में एक लंबे और शानदार करियर में, उन्होंने 1994 और 2000 के बीच यू.ए.एस., धारवाड़ के कुलपति के रूप में सेवा करने से पहले यू.ए.एस., बेंगलुरु में प्रोफेसर और वैज्ञानिक जैसे विभिन्न पदों पर कार्य किया। वे जनवरी 2001 और अगस्त 2002 के बीच कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के अध्यक्ष थे। मंडल के अध्यक्ष के रूप में उनका कार्यकाल विशेष रूप से भर्ती और मूल्यांकन में बैकलॉग को कम करने के लिए जाना जाता है।

उन्हें पद्म श्री और पद्म भूषण सहित कई पुरस्कारों से अलंकृत किया गया था। वह राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी; राष्ट्रीय रेशम उत्पादन विज्ञान अकादमी; नेशनल एकेडमी ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, इंडियन सोसाइटी ऑफ सीड टेक्नोलॉजिस्ट और इंडियन साइंस राइटर्स एसोसिएशन जैसे विभिन्न अकादमिक संस्थाओं के फेलो थे।

प्रतिभा की खोज
In search of talent
कृ.वै.च.मं.
कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
AGRICULTURAL SCIENTISTS RECRUITMENT BOARD